Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 228 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, सोमवार 04 मार्च 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी छत्तीसगढ़ में 70 लाख महिलाओं को बांटेंगे महतारी वंदन योजना के तहत 700 करोड़

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना की पात्र 70 लाख महिलाओं को पीएम नरेंद्र मोदी अपने हाथों से योजना की पहली किस्त जारी करेंगे। इसके लिए बालोद में बड़े आयोजन की तैयारी है। अभी पीएम मोदी का कार्यक्रम फाइनल नहीं हुआ है लेकिन यह तय है कि मोदी अगर छत्तीसगढ़ नहीं आ पाएंगे तो ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन आज दाल भात केंद्र का करेंगे शुभारंभ

रायपुर (विसं)। श्रम, वाणिज्य और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन 4 मार्च को दाल भात केंद्र का विधिवत शुभारंभ करेंगे। मंत्री द्वारा बालकोनगर में दाल भात केंद्र का दोपहर 1 बजे लोकार्पण किया जाएगा। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न सहायता योजना अंतर्गत भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मंडल एवं असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल और श्रम कल्याण मंडल के अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों के लिए 5 रुपये में गरम एवं पौष्टिक भोजन प्रदान की जाएगी। बालको के एलुमिना गेट के सामने श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य अतिथि एवं विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल की अध्यक्षता में दोपहर 1 बजे दाल भात केंद्र का शुभारंभ किया जाएगा।

6 मार्च को दिल्ली कूच करेंगे किसान, 10 को देशभर में ट्रेनें रोकने का ऐलान

जामनगर (आरएनएस)। शंभू-खनौरी बॉर्डर पर आंदोलनरत किसानों ने 6 मार्च को दिल्ली कूच करने का ऐलान कर दिया है। 10 मार्च को दोपहर 12 से 4 बजे तक देशभर में ट्रेनें भी रोकी जाएंगी। उक्त जानकारी देते किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने आज बठिंडा में शुभकरण सिंह की अंतिम अरदास के दौरान मंच से दी। पंधेर ने कहा कि हरियाणा-पंजाब के किसान खनौरी-शंभू बॉर्डर पर ही आंदोलन चलाएंगे, जबकि देश के बाकी हिस्सों से किसान उस दिन दिल्ली पहुंचेंगे। किसान एमएसपी समेत कई मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इससे पहले यह कहा जा रहा था कि किसानों ने दिल्ली मार्च पर कोई ऐलान नहीं लिया है लेकिन अब जगजीत सिंह डल्लेवाल ने साफ किया है कि यह आंदोलन अभी जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बगिया में नोनी रक्षा रथ को झंडी दिखाकर किया रवाना

महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित अपराधों पर आयेगी कमी, होगी त्वरित कार्रवाई

नोनी रक्षा रथ के लिए हेल्पलाइन नंबर +91-9479128400 जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज यहां अपने निवास ग्राम बगिया से नोनी रक्षा रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। जशपुर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षित महिला सुरक्षित समाज के उद्देश्य से इस रथ का संचालन किया जा रहा है ताकि जिले में महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित अपराधों पर लगाम लगे और ऐसे मामलों की कमी आए। इसके साथ ही घटित अपराध पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो।

नोनी रक्षा रथ के लिए हेल्पलाइन नंबर +91-9479128400 जारी किया गया है जिसमें चौबीसों घंटे महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने श्रम वैन को झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रविवार को जशपुर के ग्राम बगिया से श्रम वैन को झंडी दिखाकर रवाना किया। श्रम वैन जशपुर जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतो में पहुंचकर श्रमिकों का पंजीयन करेगी। जिससे अधिक से अधिक श्रमिकों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने में सहयोग प्राप्त होगा।

उल्लेखनीय है कि श्रम वैन के माध्यम से जिला-जशपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में निवासरत असंगठित श्रमिक तथा निर्माणी श्रमिक जिनकी आयु 18 से 59 वर्ष का पंजीयन श्रमिक वैन के माध्यम से किया जाएगा और श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित किया जायेगा। जिले में छत्तीसगढ़ भवन एव अन्य संन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के तहत 29 हजार 537 श्रमिको तथा छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के तहत 29 हजार 728 श्रमिको का पंजीयन किया गया है।

पटना की रैली में INDIA गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन

राहुल गांधी ने सेना और आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

पटना (एजेंसी)। बिहार में आयोजित 'जन विश्वास महारैली' में महागठबंधन (जिसमें कांग्रेस, राजद और वामपंथी दल शामिल हैं) के समर्थकों की भारी भीड़ दिखी। राजद की इस 'जन विश्वास रैली' को पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की राज्यव्यापी 'जन विश्वास यात्रा' के समापन पर आयोजित किया गया था। रोजगार सृजन के प्रति प्रतिबद्धता जताने वाले तेजस्वी यादव के समर्थन में रैली के दौरान नौकरी मतलब तेजस्वी जैसे नारे खूब गूंजे। राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, माकपा नेता सीताराम येचुरी, भाकपा नेता डी. राजा और राजद के युवा नेता तेजस्वी यादव ने संबोधित किया।

कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की 'अग्निवीर' योजना पर हमला बोला। उन्होंने इसे देश के युवाओं के खिलाफ बताया। राहुल ने कहा कि इसके तहत नौकरी पाने वालों की शहादत पर उन्हें अन्य शहीदों की तर्ज पर सरकारी सहायता नहीं मिल पाएगी। देश में जब भी कोई (राजनीतिक) बदलाव आता है तो उसकी आंधी बिहार से शुरू होती है और यह तूफान देश के अन्य हिस्सों में भी फैल गया है। बिहार देश का राजनीतिक केंद्र है। आज देश में विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है और एक तरफ नफरत, हिंसा, अहंकार है, तो दूसरी तरफ लोगों में प्यार, भाईचारा और एक-दूसरे के प्रति सम्मान है। राहुल गांधी ने कहा कि एक पार्टी नफरत पैदा करने की कोशिश कर रही है, लेकिन हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान सजा रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार समाज के वंचित वर्गों की 73 प्रतिशत आबादी की उपेक्षा कर रही है। देश में किसानों, युवाओं और वंचितों के साथ अन्याय हो रहा है।

महागठबंधन की जन विश्वास महारैली में लालू यादव ने प्रधानमंत्री मोदी पर जमकर निशाना साधा। लालू ने कहा कि ये मोदी क्या कोई चीज है? आजकल नरेंद्र मोदी परिवारवाद पर हमला कर रहे हैं। इनको कोई संतान नहीं हुआ। ज्यादा संतान होने वाले लोगों को परिवारवाद की बात करते हैं। इनके पास कोई परिवार नहीं है। ये तो हिन्दू भी नहीं है। इनकी माता जी का जब देहांत हुआ था तब इन्होंने बाल भी नहीं छिलवाया। देशभर में नफरत फैलाने का काम नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। भगवान जी बिना प्राण प्रतिष्ठा के इतना दिन से थे? नीतीश को लेकर लालू यादव ने कहा कि हमने कोई गाली नहीं दी। उनको यही कहा कि वो पलटूराम है। नहीं पलटना चाहिए था लेकिन दोबारा हमसे गलती हो गई। दोबारा ये पलट गए, नरेंद्र मोदी के पैरों के नीचे चले गए।

जन विश्वास महारैली को को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि ये वही गांधी मैदान है, जहां से हमने 2 लाख नौकरियां बांटी। आज सरकार अपने नाम पर पोस्टर लगवा रही है। तेजस्वी ने RJD का नया फूल फॉर्म भी बताया है। उन्होंने कहा कि राजद को कोई MY की पार्टी कहता है तो मैं कहता हूं ये BAAP की पार्टी है। तेजस्वी RJD का मतलब समझाते हुए कहा- R से राइट्स, J से जॉब्स, D से डेवलपमेंट। भाषण के दौरान तेजस्वी ने कहा कि मेरे पिता भाजपा के आगे कभी नहीं झुके, ना झुकेंगे।

'गारंटी' को मल्लिकार्जुन खरगे ने बताया झूठा वादा

जन विश्वास महारैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झूठों का सरदार करार दिया। उन्होंने कहा कि सभी को धोखा देना ही मोदी की गारंटी है। देश को बर्बाद करने में लगे हुए हैं। मोदी हमेशा कहते हैं कि ये मेरी गारंटी है, अब वे बीजेपी गारंटी नहीं बोलते या उनकी सरकार की गारंटी नहीं करते बल्कि हमेशा कहते हैं कि मोदी की गारंटी है। मैं बताता हूं की नरेंद्र मोदी की गारंटी क्या है। मोदी की गारंटी यही है कि उन्होंने 2014 में ये कहा था कि दो करोड़ नौकरियां हर साल युवाओं को देंगे लेकिन क्या उन्होंने दो करोड़ नौकरी दी? नरेंद्र मोदी झूठ बोलते हैं। कहा था कि बाहर से काला धन लाकर हर देशवासी क खाते में 15-15 लाख डालेंगे लेकिन किसी को भी 15 लाख रुपए नहीं मिले। देश के लोगों के लिए पक्के मकान बनाने की बात कही लेकिन किसी के भी पक्के मकान नहीं मिले। किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन ऐसा नहीं हुआ, यानी नरेंद्र मोदी झूठों के सरदार हैं।

14 लोगों की मौत की वजह बना क्रिकेट, आंध्र रेल हादसे को लेकर रेल मंत्री ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के कंटाकापल्ली में 29 अक्टूबर 2023 को ट्रेन दुर्घटना हुई थी। इस दुर्घटना में 14 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना में 50 यात्री घायल भी हुए थे। कंटाकापल्ली में हावड़ा-चेन्नई लाइन पर रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन ने विशाखापत्तनम पलासा ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी थी। अब इस घटना को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि ड्राइवर और असिस्टेंट ड्राइवर मोबाइल पर क्रिकेट मैच देख रहे थे।

अश्विनी वैष्णव ने बताया, आंध्र प्रदेश में हालिया मामला इसलिए हुआ क्योंकि लोको पायलट और असिस्टेंट पायलट दोनों का ध्यान क्रिकेट मैच के कारण भटक गया था। अब हम ऐसे सिस्टम स्थापित कर रहे हैं जो इस तरह के किसी भी घटना का पता लगा सकते हैं और सुनिश्चित कर सकते हैं कि पायलट और असिस्टेंट पायलट ट्रेन चलाने पर पूरा ध्यान करें। अश्विनी वैष्णव ने कहा, हम सुरक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। हम हर घटना के मूल कारण का पता लगाने की कोशिश करते हैं और हम एक समाधान लेकर आते हैं ताकि ये दोबारा न हो।

हालांकि रेलवे सुरक्षा आयुक्त (CRS) द्वारा की गई जांच रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। लेकिन दुर्घटना के एक दिन बाद रेलवे की प्रारंभिक जांच में रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन के चालक और सहायक चालक को टक्कर के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। उनके ऊपर आरोप था कि नियमों का उल्लंघन कर दो खराब ऑटो सिग्नल उन्होंने पास कर दिए थे। दुर्घटना में चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई थी।

जमानत मिलने के बाद पेशी पर नहीं आए राहुल गांधी, कोर्ट ने 13 मार्च तक का दिया मौका

सुलतानपुर (आरएनएस)। गृहमंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी को लेकर यहां चल रहे मानहानि के मामले में जमानत मिलने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी शनिवार को न्यायालय में पेश नहीं हुए। उनके अधिवक्ता ने यह कहकर उपस्थित होने के लिए समय मांगा कि वह न्याय यात्रा में शामिल होने गए हैं। इस पर एमपीएमएलए न्यायालय के न्यायाधीश योगेश यादव ने अगली तिथि 13 मार्च तय करते हुए उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के आदेश दिया है। इस राहुल गांधी 13 मार्च को कोर्ट में पेश नहीं होते हैं तो उनकी मुश्किलें बढ़ सकती है। बता दें कि गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी पर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का केस चल रहा है। बीती 20 फरवरी को राहुल गांधी ने पेश होकर जमानत कराई थी। इन पर आरोप तय किए जाने के लिए शनिवार को पेशी थी, लेकिन वह कोर्ट में नहीं आए। परिवाद दायर करने वाले बीजेपी नेता के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि जमानत देते समय 20 फरवरी को न्यायाधीश ने आदेश दिया था कि बयान चार्ज के लिए दो मार्च को उपस्थित हों, लेकिन राहुल गांधी ने ऐसा नहीं किया।

युवा नशा से रहें दूर, अपनी ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में भरपूर उपयोग करें : मंत्री टंकराम वर्मा

क्रिकेट खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए खेल मंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। युवा नशे से दूर रहें और अपनी ऊर्जा का जीवन को सफल बनाने वाले सकारात्मक कार्यों में उपयोग करें। खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है। खेलों से हमें प्रेरणा लेना जरूरी है। खेल अनुशासन सिखाता है। अनुशासन से टीम भावना का विकास होता है। खेलों से युवाओं का जुड़ाव यह बताता है कि क्षेत्र के युवा सही दिशा में है।

यह बात प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने आज रायपुर में देवपुरी प्रीमियर लीग द्वारा आयोजित क्रिकेट खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह में कही। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में हार और जीत का दौर चलता रहेगा, हमें कभी घबराना नही है। खेल हमें सिखाता है कि जिंदगी में हार भी जरूरी है, हार से हमें अपनी गलतियों को सुधारना भी है।

इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू,कसडोल विधायक श्री संदीप साहू,रायपुर ग्रामीण पूर्व विधायक श्री नंदकुमार साहू,धरसींवा पूर्व विधायक श्री देवजी भाई पटेल,तिल्दा जनपद सभापति श्री शिवशंकर वर्मा,अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बच्चों को दवा पिलाकर राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने गृह ग्राम बगिया में नन्हे बच्चों को पोलियो की दो बून्द पिलाकर इस राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान अपने निवास स्थान से बच्चे दिव्यांश यादव, डेविड साय एवं शीतल पैकरा को गोद में लेकर ड्रॉप पिलाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अभिभावकों से आव्हान करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को दो बूंद जिंदगी की खुराक अवश्य पिलाये ताकि कोई भी बच्चा छूटे न। ज्ञात हो कि आज राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान 3 मार्च 2024 को आयोजित किया जा रहा है। पल्स पोलियो अभियान तीन दिवस तक चलाया जायेगा। प्रथम दिवस 3 मार्च को पोलियो बूथ पर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जायेगी। 04 एवं 05 मार्च को टीम सदस्यों द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो पिलाया जायेगा। स्वास्थ्य केन्द्र एवं आगनबाड़ी केन्द्रों को पोलियो बूथ बनाया जायेगा एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानीन के माध्यम से टीम का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हरदिहा साहू समाज के आदर्श विवाह में नव दंपतियों को दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 73 नवदंपतियों को 21-21 हजार रुपए की सहायता राशि और 32 प्रकार की दी गई उपहार सामग्री

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के ग्राम कांदुल में आयोजित हरदिहा साहू समाज के सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नव दंपत्तियों को शुभाशीष दिया और उनके सुखमय एवं मंगलमय जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर हरदिहा साहू समाज को आबंटित 5 एकड़ की भूमि का पट्टा प्रदान किया और आबंटित भूमि के बाउंड्री वॉल के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री साय ने आदर्श विवाह में शामिल में 97 नव दंपतियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की सहायता राशि का चेक भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भक्त माता कर्मा को नमन करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भक्त माता का संपूर्ण जीवन मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने रायगढ़ जिले के कुसुम नारा में वर्षों से तपस्या कर रहे संत सत्यनारायण बाबा का जिक्र करते हुए कहा कि वह भी साहू समाज से आते हैं। उनका मेरे जीवन में बड़ा प्रभाव रहा है। संत सत्यनारायण बाबा का आर्शीवाद से मेरे राजनैतिक और समाजिक जीवन में सफलता मिलती रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तव में संत का कोई समाज नहीं होता, संत सभी के होते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हरदिहा साहू समाज ने हर एक परिवार को अपने बच्चों की शादी सामूहिक आदर्श विवाह के माध्यम से करने की एक प्रशंसनीय पहल की है। उन्होंने साहू समाज की इस पहल को निर्भीक निर्णय बताते हुए इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के माता-पिता को अपने बेटियों के शादी की चिंता सदैव बनी रहती थी। बेटियों की शादी के लिए कर्ज लेने या संपत्ति बेचने तक की नौबत आ जाती थी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की तत्कालीन सरकार ने इस पीड़ा को समझा और उसे दूर करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना बनाई, जिसका लाभ आज तक उन गरीब परिवार की बेटियों को मिल रहा है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नई सरकार के शपथ ग्रहण उपरांत प्रदेश वासियों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 18 लाख पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास देने का निर्णय, किसानों को दो वर्षो के बकाया धान के बोनस की राशि प्रदान करना, 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को 1000 रूपए प्रति माह दिए जाने के निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीगढ़ में मोदी की गारंटी को हर हाल में हम पूरा करेंगें।

इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू और पूर्व विधायक श्री नंदकुमार साहू ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। आज हुए हरदिहा साहू समाज के आदर्श सामूहिक विवाह में 97 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ।

मुंबई में रोका गया चीनी जहाज, परमाणु हथियार बनाने का सामान लेकर जा रहा था पाकिस्तान

नई दिल्ली (आरएनएस)। चीन से पाकिस्तान जा रहे एक जहाज को मुंबई में रोक लिया गया है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि इस जहाज में कुछ ऐसा है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा सकता था। कस्टम अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर माल्टा के झंडे वाले व्यापारिक जहाज सीएमए सीजीएम अत्तिला को 23 जनवरी को बंदरगाह पर रोका। जांच के दौरान इसमें कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) मशीन भी मिली, जिसे एक इटैलियन कंपनी ने बनाया था।

सीएनसी मशीनों को कंप्यूटर से कंट्रोल किया जाता है, ऐसा मैनुअली करना पॉसिबल नहीं है। डीआरडीओ की एक टीम ने भी जहाज में लदी खेप का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि जहाज में लदी चीजों का इस्तेमाल पड़ोसी देश अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए कर सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह इक्विपमेंट पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रम में महत्वपूर्ण हो सकता है। गौरतलब है कि 1996 के बाद से, सीएनसी मशीनों को वासेनार अरेंजमेंट में शामिल किया गया है। यह एक इंटरनेशनल आर्म्स कंट्रोल है, जिसका उद्देश्य नागरिक और सैन्य उपयोग दोनों के साथ उपकरणों के प्रसार को रोकना है। सीएनसी मशीनों का इस्तेमाल उत्तरी कोरिया में न्यूक्लियर प्रोग्राम्स के लिए किया गया था। मुंबई पोर्ट के अधिकारियों ने भारतीय सुरक्षा अधिकारियों को इस बारे में अलर्ट किया था। इसके बाद निरीक्षण किया गया और कंसाइनमेंट को सीज कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों की जांच में संकेत मिले हैं कि 22,180 किलोग्राम वजन की खेप ताइयुआन माइनिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड द्वारा भेजी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ प्रान्तीय अखण्ड ब्राह्मण समाज की बैठक सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। वैवाहिक परिचय सम्मेलन कार्यक्रम में आज दिनांक 28/ 02 /2024 को अध्यक्ष भारती किरण शर्मा जी, अध्यक्ष नारी प्रकोप निशा तिवारी जी की उपस्थिति में सभी प्रदेश व जिला पदाधिकारी की बैठक आयोजित किया गया, जिसमें 10मार्च को आयोजित कार्यक्रम में सभी की जिम्मेदारी तय की गयी। परिचय सम्मेलन में बैठक अनुरूप सभी अपने-अपने दायित्वों ?से अवगत हुए। आज के बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, प्रीति शुक्ला, सरिता तरूण शर्मा, सुनीता मिश्रा, भारती तिवारी, ममता तिवारी, आशा शुक्ला, जिला पदाधिकारी, अध्यक्ष ना.प्र.तुलिका तिवारी, अध्यक्ष मंयक शर्मा, पूर्णानंद महराज, आरतीशुक्ला, दुर्गेश नंदिनी जी, संगीता उपाध्याय इन्दु शर्मा, कल्पना जोशी ज्योति शर्मा, सुप्रिया तिवारी, शिखा मिश्रा, सविता मिश्रा, मोनिका दुबे, ममता दुबे, रानी दुबे, मनु शर्मा, पूनम शर्मा, विद्या पांडे, श्रद्धा तिवारी, संध्या तिवारी, सविता जी, तिरा शर्मा, इन्दु अवस्थी, मुकेश शर्मा व सभी पदधिकारी, कार्यकर्ता की उपस्थिति रही।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक देवांगन द्वारा कोंडागांव में चलाया गया खाद्य पंजीकरण अभियान

कोंडागांव (विश्व परिवार)। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक देवांगन के द्वारा कोंडागांव में चलाया गया खाद्य पंजीकरण अभियान जिसके तहत शहर में जितने भी खाद्य सामग्री बेचने वाले बनाने वाले या संग्रहण करने वाले व्यापारियों को खाद्य लाइसेंस बनाने के लिए प्रेरित किया गया आंतरिक आंचल में रहने वाले कई लोगों को खाद्य लाइसेंस के बारे में पता नहीं होता इसलिए यह अभियान को चलाया जा रहा है ताकि ऑफिस में आने वाली तकलीफों से खाद्य व्यापारी को परेशानी ना हो।

जया कसार का आकस्मिक निधन

रायपुर (विश्व परिवार)। सत्तीबाजार निवासी जया कसार का दिनांक 01 मार्च 2024 को आकस्मिक निधन हो गया है, जिनकी अंतिम संस्कार 02.03.2024 सुबह- 10:30 बजे मारवाड़ी मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. कन्हैयालालजी कसार (उस्ताद) की सुपुत्री एवं श्री कमल कसार, सुनील कसार, राहुल कसार की बहन थी।

कैट के प्रदेश कार्यकारी महामंत्री भरत जैन को पितृशोक

रायपुर (विश्व परिवार)। कैट के प्रदेश कार्यकारी महामंत्री भरत जैन ने बताया कि विरंची नारायण मंदिर के पास ब्रम्हपुरी निवासी श्री फत्तेलाल जी भोरावत (जैन) (उम्र - 98 वर्ष) का आज निधन हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशान घाट में किया गया। श्री फत्तेलाल जी भोरावत (जैन) समाज के वरिष्ठ सदस्य थे। और वे श्री बंशीलाल जैन एवं श्री भरत जैन के पिताजी तथा श्री हर्षवर्धन जैन एवं प्रिंस जैन के दादाजी थे। श्री भरत जैन जी भारतीय जनता पार्टी बूथ अध्यक्ष एवं पूर्व जिला कार्यकरिणी सदस्य एवं प्रदेश कार्यकारी महामंत्री कैट तथा ट्रस्टी श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालवीय रोड, और रायपुर सराफा एसोसिएशन के प्रमुख सलाहकार है।

कृषि विश्वविद्यालय के प्रयासों से छुईखदान के देशी कपूरी पान को मिली पहचान

छुईखदान के किसान बन्टूराम महोबिया को मिला देशी कपूरी पान के उत्पादन, विक्रय, विपणन, वितरण, आयात एवं निर्यात का एकाधिकार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में पान की खेती के लिये प्रसिद्ध राजनांदगांव जिले के छुईखदान में देशी कपूरी पान को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने एक नई पहचान दिलाई है। इंदिरा गांधी कृषि विश्विद्यालय के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में पान की खेती करने वाले छुईखदान के ग्राम धारा के किसान श्री बन्टू राम महोबिया को पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा कृषक किस्म छूईखदान देशी कपूरी पान के नाम से पंजीकृत कर नौ वर्षों तक इस किस्म के उत्पादन, विक्रय, विपणन, वितरण, आयात एवं निर्यात करने का एकाधिकार दिया गया है। इस प्रमाणपत्र के माध्यम से भारत सरकार श्री महोबिया को भारत में कहीं भी अपनी पंजीकृत किस्म का विपणन करने का विशेष लाइसेन्स प्रदान किया गया है। श्री बन्टू राम महोबिया छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगांव जिले के ग्राम धारा के निवासी है। कई दशकों से ये परंपरागत तरीके से देशी कपूरी पान की खेती करते आ रहे है। इस पान का परीक्षण कलकत्ता और बैगलोर में स्थित ष्टस् सेंटर में किया गया है। भारत में पंजीकृत यह पहली पान की किस्म है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में कपूरी पान का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। वर्षों से यह पान डोंगरगढ़ की बम्लेश्वरी माता को अर्पित किया गया है। सांस्कृतिक महत्व के अलावा कपूरी पान के अन्य कई लाभ भी है। अनुसंधान के अनुसार, यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालता है और पाचन संबंधी समस्याओं में भी मददगार साबित होता है। साथ ही, यह अनेक गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम करने में मदद करता है। कपूरी पान का सेवन गर्मियों में किया जाता है जिससे शरीर में शीतलता की अनुभूति होती है। कपूरी देशी पान की पत्तियां पीले हरे रंग की दीर्घ वृत्ताकार, डंठल की लंबाई 6.94 से.मी. डंठल की मोटाई 1.69 से.मी., पत्ती की लंबाई 9.70 से.मी. तथा चैड़ाई 6.64 से.मी. पत्ती क्षेत्र सूचकांक 3.94 से.मी. पत्ती का वजन 12.84 ग्रा. तथा पत्तियों की उपज 80-85 प्रति पौध है। कपूरी पान के पंजीयन करने में डॉ. नितिन रस्तोगी, डॉ.एलिस तिरकी, डॉ. आरती गुहे, डॉ. बी.एस. असाटी एवं डॉ. अविनाश गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल और निदेशक अनुसंधान डॉ. विवेक त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में यह कार्य सम्पन्न हो सका।

श्री बन्टू राम महोबिया का परिवार बीते 100 वर्षों से पान की इस दुर्लभ किस्म का उत्पादन और संवर्धन का कार्य कर रहे है। छुईखदान का जलवायु और यहां की सफेद मिट्टी पान की इस किस्म के लिए उपयुक्त है। पान की खेती में लागत बढ़ने और कई तरह की बीमारी आने के चलते यहां खेती सिमट गई। 30 ये 35 साल पहले छुईखदान का पान देशभर में प्रसिद्ध था। पहले छुईखदान के पान की इलाहाबाद, वाराणसी, कलकत्ता, मंबई समेत भारत के कई बड़े शहरों में सीधे सप्लाई होती थी। विशेषकर वाराणसी में छुईखदान का पान नाम से ही बिकता था। पर धीरे-धीरे खेती का रकबा कम होते ही पहचान खोने लगी। अब देशी कपूरी पान को प्राप्त यह पंजीयन भारत मे इस किस्म की ख्याति को पुनः प्राप्त करेगा और फिर से छुईखदान में पान की खेती लहलहाएगी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के लिए क्लेम सैटलमेंट का उद्योग-अग्रणी अनुपात कायम रखा

रायपुर (विश्व परिवार)। वित्तीय नियोजन की अगर बात करें, तो जीवन बीमा इसका एक अनिवार्य घटक है, जो परिवार और आश्रितों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। यह पॉलिसीधारक की असामयिक मृत्यु की स्थिति में परिवार की वित्तीय भलाई सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा किया गया एक वादा है। इन अर्थों में यह किसी प्रियजन को खोने के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट को कम करने का एक बेहतर तरीका है।

जीवन बीमा के मामले में क्लेम एक सच्चाई है और इसलिए किसी को उसी ब्रांड से पॉलिसी खरीदना चाहिए, जिस पर वे भरोसा करते हैं। क्लेम सैटलमेंट अनुपात और दावा निपटान में लगने वाले औसत समय के मूल्यांकन के आधार पर ग्राहक अपने अनुकूल जीवन बीमाकर्ता का चुनाव कर सकते हैं। क्लेम सैटलमेंट के मामले में टर्नअराउंड समय भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि लाभार्थियों को दावे की राशि शीघ्र प्राप्त हो।

हालाँकि, जिम्मेदारी पूरी तरह से बीमा कंपनी की नहीं है। ग्राहक खरीदारी के समय सभी प्रकार की जानकारी का सच्चाई से खुलासा करने की जिम्मेदारी भी निभाते हैं, इससे नामांकित लोगों के लिए त्वरित और परेशानी मुक्त दावा अनुभव सुनिश्चित किया जा सकता है। नियमों के अनुसार, जीवन बीमाकर्ता तिमाही आधार पर अपने दावा निपटान अनुपात की घोषणा करते हैं। आखिरकार व्यक्ति यह सुनिश्चित करने के लिए जीवन बीमा खरीदते हैं कि किसी भी स्थिति में उनके आश्रित वित्तीय रूप से सुरक्षित रहें।

नीचे दिया गया चार्ट कुछ जीवन बीमा कंपनियों के दावा निपटान अनुपात को दर्शाता है- खास बात यह है कि आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के पास लगातार दावा निपटान अनुपात ट्रैक रिकॉर्ड है, जिसमें वित्त वर्ष 2024 के शुरुआती नौ महीनों के लिए उल्लेखनीय 98.6 प्रतिशत दावा निपटान अनुपात शामिल है। दावा निपटान अनुपात में निरंतरता भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पॉलिसीधारक को मानसिक शांति प्रदान करता है कि जब वे आसपास नहीं होंगे, तो उनका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर नहीं होगा।

वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ का दावा निपटान अनुपात 98.10 फीसदी था, दूसरी तिमाही में यह 98.14 प्रतिशत रहा और तीसरी तिमाही में अनुपात 98.52 फीसदी था। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2023 को समाप्त नौ महीनों की अवधि के लिए, सभी प्रासंगिक दस्तावेज़ जमा करने के बाद गैर-जांच किए गए दावों के लिए औसत दावा निपटान समय केवल 1.3 दिन था।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने 'क्लेम फॉर श्योर' सेवा पहल भी शुरू की है, जिसके तहत यह सुनिश्चित किया जाता है कि सभी दस्तावेज प्राप्त होने के बाद सभी योग्य मृत्यु दावों का एक दिन में निपटान किया जाए। यदि इस पहल के तहत दावे को प्रोसेस करने में कोई देरी होती है, तो आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ लाभार्थी को दावे की राशि पर अर्जित ब्याज के साथ मुआवजा देती है। इसके अलावा कंपनी ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए दावों को दर्ज करने और ट्रैक करने के लिए अपने डिजिटल टचपॉइंट्स जैसे व्हाट्सएप, मोबाइल ऐप और वेबसाइट की सुविधा भी उपलब्ध कराती है। इसके अलावा, दावे से संबंधित दस्तावेजों को घर से लेने की सुविधा भी प्रदान की जाती है। इस वित्तीय वर्ष के पहले नौ महीनों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने 'क्लेम फॉर श्योर' के तहत 214.70 करोड़ रुपये के 3, 070 दावों का निपटान किया। इसके अलावा, दावों का एक बड़ा हिस्सा इलेक्ट्रॉनिक रूप से निपटाया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि लाभार्थियों को दावा राशि तक तत्काल पहुंच प्राप्त हो। इसी प्रकार के और मापदंडों की जांच करके, संभावित ग्राहक जीवन बीमा कंपनी की वित्तीय ताकत, कामकाज को लेकर उत्कृष्टता के स्तर और अपने पॉलिसीधारकों की सेवा करने की प्रतिबद्धता की अधिक व्यापक समझ प्राप्त कर सकते हैं- जीवन बीमा खरीदते समय आखिर किसी भी ग्राहक को इन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार करना ही चाहिए।

मार्वल किंग अशोक जैन पाटनी जी अपने गुरु भाई हृदय मोहन जी से मिलने पहुंचे विदिशा

विदिशा (विश्व परिवार)। भारत के जाने माने उद्योगपति वंडर सीमेंट एवं मार्वल किंग आर के मार्वल के मालिक एवं जैन समाज के भामाशाह संत शिरोमणि आचार्य गुरूदेव विद्यासागरजी महाराज के परम भक्त एवं जीवदया के प्रति समर्पित पूज्य गुरूदेव के साथ अंतिम समय तक सानिध्य प्राप्त करने वाले गुरुभक्त *श्री अशोक पाटनी* अपने से बड़े गुरु भाई श्री हृदयमोहन जैन की अस्वस्थता की खवर सुनी तो वह अपने आपको उनसे मिलने से रोक नहीं पाऐ एवं निजी हैलीकॉप्टर से विदिशा पहुंचे एवं श्री हृदयमोहन जैन के चरण छूकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया उनकी इस बड़प्पन को देख न केवल परिवार के सदस्य अभिभूत हुये वल्कि विदिशा शहर के गणमान्य लोग भी श्री अशोक जी पाटनी से मिलने पहुंचे। प्रवक्ता अविनाश जैन ने कहा कि कुंडलपुर महामहोत्सव बड़े बाबा की स्थापना एवं महामहोत्सव में श्री हृदयमोहन जैन की विशेष भूमिका थी एवं महोत्सव समिति के अध्यक्ष रहते हुये पूज्य गुरूदेव का आशीर्वाद प्राप्त था श्री अशोक जी पाटनी उनके इस कार्य से बहूत प्रभावित थे और अपनी और से उनको अपना बड़ा भाई मानकर हमेशा सम्मान दिया एवं अपनी ओर से हृदयमोहन जैन के परिवार के सभी सुःख दुःख में शामिल हुये है। एवं अक्सर उनके पुत्रों से उनके स्वास्थ्य सम्वंधित जानकारी लेते रहते है। जब उनके विदिशा आने की सूचना मिली तो परिवार के सदस्यों के साथ पंकज जैन ने हैलीपेड से उनकी आगवानी की श्री सकल जैन समाज के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया कि श्री अशोक जी पाटनी दयोदय महासंघ के महा संरक्षक है एवं गुरूदेव के परम भक्त है पूज्य गुरूदेव के द्वारा चलाऐ जा रहे सभी प्रकल्पों में करोडों रूपया के दान का सहयोग रहता है एवं गुरूदेव के एक इशारे पर करोड़ों रुपये का दान देने में तत्पर रहते है इसी दान की भूमिका के लिये उनको भारत की जैन समाज ने भामाशाह की उपाधी से विभूषित किया गया है। **-अविनाश जैन**

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने की मनरेगा कार्यों की समीक्षा, शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

अपूर्ण आवासों पर सचिवों को नोटिस

कोंडागांव (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में शनिवार को महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत स्वीकृत कार्यों के प्रगति की समीक्षा की गई। शनिवार को जिला कार्यालय के प्रथम तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने आवास निर्माण, महात्मा गांधी नरेगा एवं स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वीकृत व्यक्तिगत एवं सामुदायिक नाडेप निर्माण, सोख्ता गड्ढा निर्माण, सेग्रीगेशन शेड निर्माण, समुदाय के लिए खाद्यान्न भण्डार निर्माण, आंगनबाड़ी भवन निर्माण पंचायत भवन निर्माण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत उचित मूल्य की दुकान निर्माण, वनग्रामों में वन अधिकार पत्र धारक हितग्राहियों के भूमि विकास सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही गांवों में आंगनबाड़ी, उचित मूल्य की दुकानों की स्थापना तथा ग्राम पंचायत भवनों का निर्माण भी प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवास निर्माण के कार्य में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए आवास निर्माण को लंबित रखने वाले सचिवों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मनरेगा के अंतर्गत 2022 के पूर्व स्वीकृत सभी कार्यों को एक माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए 1960 सामुदायिक और 2500 व्यक्तिगत सोख्ता गड्ढा, 3864 सामुदायिक और 8254 नाडेप संरचना तथा सेग्रीगेशन शेड का निर्माण एक एक माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान सभी ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर के निर्माण हेतु प्रस्ताव रखने के निर्देश भी दिए। मनरेगा के तहत 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले श्रमिकों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 7608 परिवारों को 100 दिन का रोजगार प्रदान किया गया है। कलेक्टर ने 70 दिन से अधिक दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले सभी श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य लेकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उन्होंने आधार आधारित भुगतान प्रणाली से किए जाने वाले भुगतान की समीक्षा भी की। उन्होंने समीक्षा के दौरान कुधूर तथा तुमड़ीवाल में रोजगार सहायकों की नियुक्ति के संबंध में भी निर्देशित किया।

कलेक्टर ने इस दौरान सभी सचिवों को आगामी लोकसभा निर्वाचन को देखते हुए सभी मतदान केन्द्रों में पेयजल, शौचालय, विद्युत आदि मूलभुत सुविधाएं अनिवार्य तौर पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके इसके साथ ही मतदान के दिन मतदान केन्द्रों में छांव के लिए शामियाना की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने इसके साथ ही स्कूल जतन योजना, जिला खनिज निधि न्यास तथा नीति आयोग के कार्यों की समीक्षा की और सभी कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए दो ठेकेदारों की निविदा को निरस्त करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्री अंकित चैहान पंचायत विभाग के उप संचालक श्री बीआर मोरे, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता श्री अजय चैधरी, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन के जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद पंचायत के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, सहायक प्रोग्रामर, तकनीकी सहायक, अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उप संभाग एवं समस्त ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./9446/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-03-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9446
वार्ड का नाम-16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L0489S** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DURGI AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE HIRA LAL AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
नेतराम चन्द्राकर
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./9789/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-03-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9789
वार्ड का नाम-16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L0489U** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIJAY BHASKAR RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **K BHASKAR RAO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
नेतराम चन्द्राकर
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./9897/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 02-03-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9897
वार्ड का नाम- 14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223A00209** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. GIRISH RAMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANILAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री शैलेष कोठारी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- श्री विजय कोठारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /9759/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 02-03-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9759
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B00868** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARVESH CHOUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ONKAR NATH CHOUBEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHIRANJEV CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHEKHAJ RAM CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./9904/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 02-03-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9904
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652G0980B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MOHAMMAD SAMIM KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMAD FULHASAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ALTAF KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O YUSUF KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./9888/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 02-03-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9888
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F01486** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SAVITRI DEVI TRIPATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIRENDRA KUMAR TRIPATHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KAVITA VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O KHAGESH KUMAR VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./9902/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 02-03-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 9902
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652G0980C** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MOHAMMAD SAMIM KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMAD FULHASAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ALTAF KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O YUSUF KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

PUBLIC NOTICE

DECLARATION FOR PARTNERSHIP MODIFICATION

This is to notify that the constitution of the Partnership Firm **M/s SAMBHAV AGRO INDUSTRIES**, reg. Head office at House No 5, 1st Floor Opposite Shriramnath Bhimsen Sabha bhawan, Samta Colony, Raipur (C.G.) which was carrying on business in partnership since 25.07.2013, under an instrument of partnership executed on 25.07.2013 and reconstituted on 01.04.2016, has under gone the following change W.e.f. 09.12.2022. are as under

Change Of Address From : House No. 5, 1st Floor Opposite Shriramnath Bhimsen Sabha bhawan, Samta Colony, Raipur (C.G.) **to GangotriCompund, Baloda Bazar Road, Dondekhurd, Raipur (C.G.)-493111**

Place : Raipur
Date : 02-03-2024

For, SAMBHAV AGRO INDUSTRIES
PARTNER

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर सोमवार 04 मार्च 2024

नगर निगम के सामुदायिक भवन में हो रहा अवैध कब्जा

विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रम के आयोजन और लोगों को सहूलियत देने के उद्देश्य से इस योजना पर काम किया गया।

कोरबा(विश्व परिवार)। लोगों कुछ सुविधा देने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में नगर पालिका निगम के द्वारा बनाए गए सामुदायिक भवन अपनी उपयोगिता साबित कर रहे हैं जबकि कई क्षेत्रों में उदासीनता के कारण ऐसे भवनों पर अवैध कब्जा हो रहा है। नगर निगम में एमआईसी सदस्य के वार्ड संख्या 26 में इसी प्रकार का मामला सामने आया है। लोगों का आरोप है कि अवैध कब्जा को रोकने के लिए ना तो कोशिश हो रही है और उल्टे दूसरे लोगों को सलाह दी जा रही है कि वह अपने काम से मतलब रखें। कोरबा नगर के मुड़ापार वार्ड के अंतर्गत नगर निगम ने लगभग 20 लाख की लागत से पिछले वर्षों में सामुदायिक भवन का निर्माण सप्ताहिक बाजार के पास कराया है। विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रम के आयोजन और लोगों को सहूलियत देने के उद्देश्य से इस योजना पर काम किया गया। बीते वर्षों में काफी लोगों ने इसका लाभ लिया है लेकिन पिछले कुछ समय से देखा जा रहा है कि धीरे-धीरे सरकारी धनराशि से बने हुए सामुदायिक भवन पर कुछ लोगों की गिद्ध नजर घड़ी है और वह धीरे-धीरे यहां अवैध कब्जा कर रहे हैं। इस प्रकार की गतिविधियों के कारण सामुदायिक भवन की उपयोगिता सुनिश्चित होने में खतरे पैदा हो रहे हैं। स्थिति यह है कि जहां तहां टूटफूट के नजारे मौजूद है। इससे भी सामस्या पेश आ रही है। वार्ड की नागरिक प्रियंका चैहान ने बताया कि अवैध कब्जा को रोकने के लिए कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। लंबे समय से इसकी साफ सफाई को लेकर भी रुचि नहीं ली जा रही है। इसी इलाके में रहने वाले राजेंद्र सिंह ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि जब नगर निगम ने सार्वजनिक प्रयोजन से सामुदायिक भवन बनाया है तो आखिर इस पर कौन से नियम के अंतर्गत अवैध कब्जा हो रहा है और निगम के अधिकारी मौन क्यों है। सरकारी भवन को हथियाना कोशिश लगातार हो रही है ऐसे में गलत संदेश जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 26 में रहने वाले लोगों ने अपने इलाके के सामुदायिक भवन की दुर्दशा और उसे हड़पने के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में नगर निगम आयुक्त के साथ-साथ कलेक्टर का ध्यान आकर्षित कराया है। लोग चाहते हैं कि जल्द ही सामुदायिक भवन को बेहतर करने के साथ-साथ इस उपयोगी बनाया जाए ताकि अवैध कब्जा करने वाले लोग भविष्य में इसका रजिस्ट्रीकरण अपने नाम पर ना कर सके।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी स्वाधीन जैन को पार्टी ने दी बड़ी जिम्मेदारी

दल्लीराजहरा(विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद ने राष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश में चलाये जा रहे कार्यक्रम को पूरे छत्तीसगढ़ के सभी लोकसभा स्तर पर सफल संचालन करने प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद ने प्रदेश प्रभारी व सह-प्रभारी की घोषणा जी है जिसमे बालोद जिले दल्लीराजहरा से स्वाधीन जैन को अल्पसंख्यक समाज के लोगो का भाजपा प्रवेश प्रभारी बनाये जाने पर स्वाधीन जैन ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव , प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा , राम जी भारतीय , संजय श्रीवास्तव व भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय व भाजपा प्रदेश नेतृत्व व जिला नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। साथ ही कई साथियों ने फोन के माध्यम से बधाई दी साथ ही मुस्लिम समाज एवं जैन समाज के साथियों ने भी शुभकामनाएं व बधाई दिया।

संक्षिप्त समाचार

सीईओ के निवास पर ईडी की रेड

बिलासपुर(विश्व परिवार)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतापपुर जनपद पंचायत के सीईओ राधेश्याम मिर्झा के बिलासपुर और अकलतरा निवास पर छापा मारा है। जांच टीम ने बिलासपुर के उसलापुर में स्थित उनके तीन मंजिला मकान में छापा मारा। यह तीन मंजिला मकान 5.44 डिसमिल जमीन पर बना है। कुछ हिस्सा निर्माणाधीन है। अकलतरा के समीप खिसोरा में उनका 9577 वर्ग फीट भूमि पर मकान व बाड़ी है। यहीं 2.57 एकड़ कृषि भूमि है। अकलतरा में 1722 वर्ग फीट भूमि पर पक्का मकान, परिवार के सदस्यों के नाम पर अकलतरा में 6966 वर्ग फीट तथा बलौदा में बेटे के नाम पर 645.83 वर्ग फीट जमीन है। परिवार के सदस्यों के नाम पर दो पहिया, चार पहिया गाड़ियां भी हैं। मिर्झा का मूल पद आदिम जाति विकास विभाग का मंडल संयोजक है। कोरिया जिले के सोनहत व कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा में लंबे समय तक उनकी पदस्थापना रही है।

कटघोरा थाना प्रभारी यादव और एएसआई पैकरा निलंबित

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने कटघोरा थाना के प्रभारी निरीक्षक तेज कुमार यादव और एएसआई कुंवर साय पैकरा को निलंबित कर दिया है। इनके विरुद्ध शिकायत मिली थी कि इनके द्वारा बिना एफआईआर दर्ज किये और बिना रोजनामचा में चढ़ाये 24 घंटा से अधिक समय तक एक व्यक्ति को थाना में बिठाए रखा गया था। शिकायत की जांच कराई गई जो जांच में सही मिली। थाना प्रभारी और एएसआई के कृत्य को अनुशासनात्मक तौर पर एवं संदिग्ध मानते हुए एसपी ने तत्काल प्रभाव से दोनों को निलंबित कर दिया है। कप्तान की इस कार्रवाई से महकमे में खलबली मच गई है। बता दें कि एसपी द्वारा हाल ही में कटघोरा थाना के आरक्षक नंदलाल सारथी को निलंबित किया गया है। उसके द्वारा जेल जाने का भय दिखाकर 50000 की मांग की गई थी। एसपी की इस सख्त कार्रवाई की चर्चा अभी भी महकमे में है कि उन्होंने दूसरी बड़ी कार्रवाई कर दी।

पाढ़ीघाट मंदिर से राम दरबार की मूर्ति चुराने वाली महिला पकड़ाई

चांपा(विश्व परिवार)। पाढ़ीघाट मंदिर से भगवान श्रीराम दरबार की मूर्ति को चोरी करने वाली महिला को पकड़कर जेल भेजा गया है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी श्रीधर सोनी उम्र 47 वर्ष नीम चौक सोनारपारा चाम्पा द्वारा 28 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराया कि चाम्पा पाढ़ी घाट हसदेव नदी किनारे मंदिर से भगवान श्री राम दरबार की मूर्ति जिसमे भगवान श्रीराम जी, माता जानकी जी, लक्ष्मण जी, हनुमान जी की मूर्ति को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना चांपा में अपराध धारा 380 भादंवि कायम कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना दौरान घटना स्थल निरीक्षण पश्चात आसपास के सीसीटीवी देखने पर एक महिला संदिग्ध हालात में आते जाते दिखी जिसकी पहचान पश्चात संदेही महिला का पूछताछ पश्चात मेमोरेण्डम कथन में मंदिर की मूर्ति चोरी करना स्वीकार की, जिसके अपने घर से निकाल कर पेश करने पर चोरी गई भगवान की मूर्ति को गवाहो के समक्ष बरामद किया जाकर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर 29 फरवरी को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

जिला पंचायत में सामान्य सभा की बैठक हुई संपन्न

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिलान्तर्गत जिला पंचायत में सामान्य सभा की एक बैठक संपन्न हुई। इस दौरान विभागीय कार्यों की समीक्षा के साथ 15वें वित्त आयोग की कार्य योजना बनाने के विषय भी चिन्हांकित किए गए। खासकर स्वच्छता, शिक्षा और अधोसंरचना विकास के लिए 15वें वित्त से बेहतर जतन पर जोर दिया गया। इसके अलावा गर्मी के मद्देनजर ग्रामीण इलाकों में पीने के शुद्ध पानी का हर संभव इंतजाम सुनिश्चित का खाका भी तैयार किए जाने कहा गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। 15 वें वित्त आयोग अनुदान वित्तीय वर्ष 2024-25 की कार्य योजना तैयार करने के लिए सदस्यों की सर्व सम्मति से नियमानुसार विषयों का चिन्हांकन किया गया। इसके साथ ही विभागीय कार्यों की भी समीक्षा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संबित मिश्रा की उपस्थिति में सामान्य सभा में दिशा निर्देश के अनुसार 15वें वित्त की कार्य योजना तैयार करने के विषयों पर चर्चा की गई इसके लिए 4 विषयों स्वच्छता, पेयजल, शिक्षा व अधोसंरचना के कार्यों का चिन्हांकन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए उनमें अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कोटपा अधिनियम के तहत मानिकपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में की गई कार्यवाही

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी के निर्देशानुसार डॉ. कुमार पुष्पेश नोडल अधिकारी एनटीसीपी के नेतृत्व में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. मानसी जायसवाल, जिला सलाहकार (एनटीसीपी) श्री सुनील कुमार सांडे ड्रग इंपेक्टर श्री प्रेमचंद साहू, थाना प्रभारी मानिकपुर की संयुक्त टीम के द्वारा मानिकपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। सीएमएचओ ने बताया कि मानिकपुर थाना क्षेत्र के 11 जगह कोटपा अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया है। जिसके अंतर्गत 08 चालानी कार्यवाही में 1000 रूपये वसूल किया गया। साथ ही 03 स्थानों पर समझाइश दी गई। इस दौरान आमजनों को कोटपा एक्ट-2003 के धारा 04 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध, धारा 5 के तहत सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादन के विज्ञापन पर प्रतिबंध, धारा 6 के तहत नाबालिकों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सिगरेट या अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्रि पर प्रतिबंध, बिना विशिष्ट स्वास्थ्य चेतावनियों के सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध के संबंध में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि धारा 4 एवं 6 के तहत 200 रूपये तक जुर्माना किया जा सकता है। साथ ही तम्बाकू उत्पाद बेचने पर प्रतिबंधित करने वाले पोस्टर दुकानों में चस्पा किया गया तथा तम्बाकू उत्पाद नहीं बेचने हेतु निर्देशित किया गया।

सीईओ अभिषेक कुमार ने दो प्रपा व दो शिक्षकों को किया निलंबित

जशपुर(विश्व परिवार)। जशपुर जिले में जिला पंचायत के सीईओ ने सख्त कदम उठाते हुए चार शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया, इनमें दो प्रधान पाठक व दो शिक्षक शामिल हैं। सीईओ के इस सख्त कदम के बाद से ही शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। निलंबित प्रधान पाठक व शिक्षकों को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा में रहने कहा गया है। जशपुर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोदोपारा के प्रधान पाठक विराजन राम, जयकिशोर कुजूर और शिक्षक एलबी हेमंत कुजूर एवं सहायक शिक्षक एलबी रविशंकर गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित (शिक्षक सस्पेंड) किया है। जिला पंचायत सीईओ विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन एवं छात्र-छात्राओं के बयान के आधार पर प्रधान पाठक विराजन राम, जयकिशोर कुजूर और शिक्षक एलबी हेमंत कुजूर एवं सहायक शिक्षक एलबी रविशंकर गुप्ता द्वारा अध्यापन कार्य नहीं कराना, विद्यालय में अनियमित उपस्थिति, विद्यालय आने के उपरांत उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर उपरांत विद्यालय से अन्यत्र चले जाना एवं नियमित रूप से मद्यपान का सेवन कर विद्यालय आना प्रथमदृष्टया सही पाया गया है। संबंधितों के उक्त कृत्य छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 03 एवं नियम 23 के सर्वथा विपरीत है, जो कदाचरण की श्रेणी में आता है।

महतारी वंदन योजना : आधार सीडिंग के लिए तीन अवकाश के दिन भी खुले रहेंगे जिले के सभी बैंक

रायगढ़(विश्व परिवार)। महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं का बैंक खाता आधार लिंक व डीबीटी सक्रिय करने के उद्देश्य कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में रविवार 3 मार्च अवकाश के दिन भी जिले के सभी बैंक खुले रहेंगे। उक्त दिवस में जिले के सभी बैंक शाखाओं में केवल महतारी वंदन योजना अंतर्गत महिलाओं के बैंक खाते से आधार लिंक एवं डीबीटी सक्रिय कराये जाने का कार्य संपादित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महतारी वंदन योजना के क्रियान्वयन की कार्यवाही की जा रही है। इस योजना के तहत पात्र 21 वर्ष से अधिक विवाहित महिला महिला, त्यागशुदा महिला, परित्यक्ता महिला को प्रतिमाह एक हजार रूपये की राशि उनके आधा लिंक खातें में डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया जाना है। जिले में बैंक के माध्यम से बैंक खातों को आधार से लिंक करने हेतु 39 हजार का लक्ष्य है जिसमें से जिले के अधिकांश महिलाओं का बैंक खाता आधार से लिंक नहीं हुआ है। उक्त कार्य को समय-सीमा में 5 मार्च तक पूर्ण किया जाना है। जिसके तहत अवकाश दिवस में महिलाओं का बैंक खाता आधार लिंक व डीबीटी सक्रिय करने के निर्देश है। जिले के सभी ब्रांच को 3 मार्च रविवार को केवल महतारी वंदन योजना के क्रियान्वयन हेतु बैंक की कार्यालयीन व्यवस्था चालू रखने हेतु निर्देशित किया गया है।

महंगाई को लेकर आम आदमी बेहाल कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

रायगढ(विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा लिए गए निर्णयानुसार आज 2 मार्च को पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों में बढ़ती महंगाई को लेकर धरना प्रदर्शन के कार्यक्रम के तहत जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल शुक्ला के निर्देशानुसार शहर कांग्रेस प्रभारी महामन्त्री शाखा यादव के नेतृत्व व वरिष्ठ कांग्रेसजनों की गरिमामयी उपस्थिति में कांग्रेसजन केन्द्र की मोदी सरकार की विफ्लताओं एवं गलत नीतियों के कारण देश में बढ़ती महंगाई जैसे- खाद्य पदार्थ, सब्जी, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, सीएनजी / पीएनजी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के खिलाफ स्थानीय संजय काम्प्लेक्स सब्जी बाजार में सब्जी व किराना स्टोर्स में दैनिक आवश्यक / रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी कीमतों में खरीदकर विरोध-प्रदर्शन किया गया। जहां जिला कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री शाखा यादव ने बताया कि मोदी राज में रोजमर्रा की जरूरतों के दाम बेतहाशा बढ़ गये है। 2014 में जो गैस का सिलेंडर 410 रु. का था, आज वह 1000 रु. के पार है। पेट्रोल के दाम 70 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 100 रु. प्रति लीटर के पार हो गए हैं जबकि डीजल के दाम 55 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 90 रु. प्रति लीटर के करीब पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में क्रूड आयल का दाम लगातार कम हो रहे है। 2014 की तुलना में वर्तमान में क्रूड आयल आधे रेट में मिल रहा है लेकिन उसका लाभ आम जनता को नही मिल रहा है। खाने के तेल और दाल की कीमत 70 रु. और 60 रु. प्रति किलो थी, वह 200 रू. प्रति किलो को पार कर गई है। इतना ही नहीं, बीते दिनों जीएसटी की बर्बर मार से दही, पनीर, लस्सी, आटा, सूखा सोयाबीन, मटर व मुरमुरे भी बच नहीं सके, उन पर भी 5 फीसदी जीएसटी लगा दिया गया। होटल के 1,000 रु. के कमरे पर 12 प्रतिशत जीएसटी, अस्पताल के आईसीयू बेड पर 5 प्रतिशत जीएसटी! जीने के लिए सभी आवश्यक चीजों पर जीएसटी लगाकर चैन नहीं मिला तो श्मशान घाट के निर्माण पर भी जीएसटी बढ़ा दिया गया है।

कुसमुंडा जीएम संजय मिश्रा हुए सेवानिवृत

कोरबा(विश्व परिवार)। एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र के एरिया महाप्रबंधक संजय मिश्रा 29 फरवरी को सेवानिवृत हो गए । उन्हे प्रबंधन के अधिकारी व कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। रायगढ़ के बाद बीते वर्ष 2021 अक्टूबर के माह में कुसमुंडा जीएम का पद सम्हाल रहे संजय मिश्रा द्वारा अपने लगभग 2 वर्ष 4 महीने के कार्यकाल में कुसमुंडा में कोल उत्पादन को लेकर नए कीर्तिमान गढ़े गए। उनकी पदस्थापना कुसमुंडा क्षेत्र में ऐसे समय पर हुई जिस वक्त कोल उत्पादन का स्तर गिरा हुआ था, कोल स्टॉक को लेकर कई गड़बडिया थी, खदान में आंदोलन भी चरम सीमा पर थी, खदान विस्तार के लिए एक इंच भूमि नही थी। ऐसे में जीएम संजय मिश्रा ने बड़ी ही धैर्यता और निपुणता के साथ कुसमुंडा को सम्हाला और धीरे धीरे कर बड़े कोल उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज करने के साथ साथ हजारों की संख्या में भूविस्थपितों को ठेका कंपनियों में नौकरी की व्यवस्था कराई । उनके कार्यकाल के दौरान कोयला खनन के लिए जरूरी भूमि हेतु गांवों के अधिग्रहण में भी तेजी देखने को मिली । भूविस्थापितों के लिए नई नई जमीनों पर बसावट के लिए प्रबंधन द्वारा अधिग्रहित जमीन को मुक्त कराते हुए विस्थापन की दिशा में बड़े कार्य शुरू हुए। उनके बसावट विस्थापन और रोजगार के दिशा में रखी गई नींव की आने वाले दिनों में एक बेहतर दिशा और दशा में परिलक्षित होगी। कुसमुंडा खदान में कोयला निकासी के बाद बंद पड़े विशालकाय गड्ढों में नए ओवर बर्डन की मिट्टी भरकर काम जमीन में भी बड़ी उपलब्धि वाली उपयोगिता ने जीएम संजय मिश्रा की कार्य कुशलता को दर्शाया। वर्तमान में विभागीय मशीनी कार्य प्रणाली के साथ साथ ठेका पद्धति द्वारा किए जा रहे उत्पादन कार्य बढ़ी हो सुगमता के साथ हो रहे हैं। जिस वजह से बीते दो वर्षो में कुसमुंडा ने कोयला उत्पादन में नए कीर्तिमान हासिल करते हुए देश को ऊर्जा शक्ति बनाने में अपना अहम योगदान देने का कार्य कर रही हैं। कोल उत्पादन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ साथ सामाजिक सरोकार में भी उनकी अहम भूमिका रही है, पूरे कुसमुंडा क्षेत्र में दुर्गा पूजा की जिम्मेदारी अपने कंधो पर लेकर भव्य पंडालों के साथ साथ नौ दिनों में हर दिन बड़े आयोजन भी उन्हीं की देन रही है।

कलेक्टर गोयल ने केलो नहर परियोजना का लिया जायजा

रायगढ(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल दिलीप सिंह जूदेव वृहद सिंचाई परियोजना (केलो डैम) पहुंचे। यहां उन्होंने केलो डैम की कुल सिंचित रकबा साथ ही नहर की मैप के अवलोकन के माध्यम से लाइन डायग्राम में विभिन्न स्थानों में शेष नहर निर्माण कार्यों की जानकारी विभागीय अधिकारियों से ली। उन्होंने मुआवजा प्रकरण बनाने एवं नहर परियोजना में प्रगति लाने के निर्देश दिए। जिससे जिले में सिंचित रकबा में विस्तार किया जा सके। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, अपर कलेक्टर श्री राजीव कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री गोयल ने केलो डैम के मेड एवं ड्रेनेज का अवलोकन करते हुए, उनके ड्रेनेज की मरम्मत एवं सफाई कार्य के इस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने डैम के फाटक के कार्यविधि एवं मेंटेनेस की जानकारी ली। साथ ही टूरिज्म की संभावना पर चर्चा करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्री यादव से कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने डैम में स्थित रेस्ट हाऊस का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के अधूरे कार्यों पर नाराजगी जताते हुए। कार्यों की जानकारी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। जिससे रेस्ट हाऊस का उपयोग किया जा सके। इस अवसर पर केलो परियोजना के विभिन्न सब डिवीजन से एसडीओ श्री एस.आर.महिलाने, श्री एस.के.पाण्डेय, श्री एन.के.डाहिरे, श्री डी.डी.पटेल एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री गोयल ने निरीक्षण के दौरान विभाग द्वारा संचालित उद्यान का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री गोयल ने उद्यान का भ्रमण कर रख-रखाव की सराहना की और उद्यान का मेंटेनेस इसी तरह बनाये रखने कहा गया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर सोमवार 04 मार्च 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

किसानों के किन्नू और शेयर बाजार.....

भारत के धनवान

भारत ना सिर्फ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना रहेगा, बल्कि सबसे तेजी से अति धनी लोगों की संख्या भी यहीं बढ़ेगी। दरअसल, इन दोनों ही परिघटनाओं में गहरा संबंध है। यह बात रिपोर्ट तैयार करने वाले अध्ययनकर्ताओं ने भी कही है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अति धनी व्यक्तियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अगले चार साल में इस तादाद में और भी ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ोतरी होगी। बड़ी तस्वीर तो यह है कि यह वृद्धि दुनिया में सबसे तेज दर से होगी। इस तरह भारत दुनिया में अति धनवान व्यक्तियों की संख्या में सबसे तेज वृद्धि दर दर्ज करने वाला देश बन जाएगा। भारत से जो देश पीछे छूट जाएंगे, उनमें चीन भी शामिल है। भारत में यह दर 50.1 प्रतिशत रहेगी, जबकि चीन में 47 फीसदी।स्पष्टत: भारत ना सिर्फ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना रहेगा, बल्कि सबसे तेजी से अति धनी लोगों की संख्या भी यहीं बढ़ेगी। दरअसल, इन दोनों ही परिघटनाओं में गहरा संबंध है। यह बात नाइट फ्रैंक संस्था के अध्ययनकर्ताओं ने भी कही है, जिनकी ताजा रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के अति धनवान लोगों के शौक क्या हैं। रिपोर्ट में अति धनवान उन लोगों को माना गया है, जिनके पास तीन करोड़ डॉलर- यानी लगभग सवा दो सौ करोड़ रुपये- से अधिक की संपत्ति है। अब यह देखना दिलचस्प है कि इन लोगों की पसंद क्या है। बताया गया है कि पिछले वर्ष लग्जरी घड़ियों, कलाकृतियों और जेवरात पर इन लोगों के खर्च में क्रमश: 138, 105 और 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यानी संकेत यह है कि ये लोग किसी उत्पादक कार्य में धन लगाने के बजाय विलासिता पर अधिक खर्च कर रहे हैं। तो अनुमान लगाया जा सकता है कि इनकी आमदनी का प्रमुख स्रोत शेयर-बॉन्ड-ऋण बाजार-वायदा कारोबार आदि यानी वित्तीय संपत्तियों में निवेश है। यह एक चक्र है। इनके निवेश से ये बाजार चमकते हैं और फिर उससे इन लोगों को होने वाले लाभ में बढ़ोतरी होती है। ये सारी बढ़ोतरी देश के जीडीपी में भी गिनी जाती है। तो कहा जा सकता है कि आम अर्थव्यवस्था के समानांतर जो एक वित्तीय अर्थव्यवस्था खड़ी हुई है, देश के धनी-मानी लोग उसका आधार हैं और उससे लाभान्वित भी।

हरजिंदर, वरिष्ठ

जिस समय हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर पर किसानों और सुरक्षा बलों में संघर्ष चल रहा है, ठीक उसी समय पंजाब के दूसरे सिरे पर अबोहर में किन्नू की बागवानी करने वाले किसान अपनी फसल बरबाद करने के लिए मजबूर थे। तकरीबन यही हाल पड़ोसी राज्य राजस्थान के गंगानगर जिले के किन्नू किसानों का भी था। इस बार किन्नू की फसल बहुत अच्छी हुई, मगर आज के बाजारशास्त्र में अच्छी फसल खुशहाली लाने की जगह अक्सर किसानों के लिए दरिद्रता ही लाती है। यही प्याज के मामले में होता है, यही टमाटर के मामले में होता है, कई बार यही आलू के साथ भी होता है। किसान कितनी भी मेहनत कर ले, उसकी किस्मत का फैसला आखिर में निर्दयी बाजार के हवाले छोड़ दिया जाता है। यहां इस बात को याद रखना भी जरूरी है कि शंभू बॉर्डर पर दिल्ली कूच के लिए डटे किसानों की अगर सारी मांगें मान भी ली जाती हैं, तब भी किन्नू किसानों का बहुत भला होने वाला नहीं है। वे जिन फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी मांग रहे हैं, उनमें किन्नू शामिल नहीं हैं। मौसमी फसलों की खेती करने वाले किसानों के मुकाबले बागवानी करने वाले किसानों की दिक्कत बिल्कुल अलग होती है। उनके खेत में पूरे साल में एक ही फसल होती है और अगर वह भी बरबाद हो गई, तो उनके पास कुछ नहीं बचता। कैलिफोर्निया में विकसित संतरा परिवार के इस संकर फल की खेती आजादी से पहले पंजाब के कुछ हिस्सों में अंग्रेज सरकार ने प्रयोग के तौर पर शुरू की थी। आजादी के बाद देश के बहुत से हिस्सों में किसानों ने इसकी बागवानी बड़े पैमाने पर शुरू कर दी और यह बहुत से किसानों की जीविका का प्रमुख साधन भी बन गया। यही हाल पाकिस्तान में भी है। मगर पाकिस्तान से इसका निर्यात भी होता है। कुछ साल पहले 'सेंटर फॉर साइंस ऐंड एनवायर्नमेंट'की कर्ता-धर्ता सुनीता नारायण श्रीगंगानगर गई थीं। वहां किन्नू की बागवानी देखकर उन्होंने कहा था कि यहां के किसान ही

पर्यावरण बचाने में सबसे बड़ा योगदान दे रहे हैं। इस समय का सच यही है कि जो किसान पर्यावरण को बचा रहे हैं, उन्हें बचाने के लिए हमारी व्यवस्था के पास कुछ नहीं है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि कृषि-व्यवस्था की भूमिका तभी तक है, जब तक कोई फसल खेत में है। फसल अगर बाजार में आ गई, तो उस पर कृषि-व्यवस्था के नहीं, बाजार की व्यवस्था के नियम लागू होते हैं और बाजार मांग व आपूर्ति पर चलता है। मांग बढ़ गई, तो भाव चढ़ जाते हैं और अगर आपूर्ति बढ़ गई, तो भाव बुरी तरह टूट भी जाते हैं। बात सही है, लेकिन क्या हर बाजार में ऐसा ही होता है? उदाहरण के लिए, हम शेयर बाजार को लेते हैं। शेयर बाजार में सारा खेल मांग और आपूर्ति का ही होता है। वहां कोई उत्पाद खरीदने-बेचने के लिए नहीं आते, शुद्ध रूप से सटोरियों की गतिविधियां ही होती हैं। शेयर बाजार के नियम भी यही कहते हैं कि वहां अगर किसी शेयर के खरीदार बढ़ जाएं, तो उसकी कीमत आसमान छूने लगती है और बिकवाल बढ़ जाएं, तो कीमत गोते लगाने लगती है। लेकिन शेयर बाजार के रोजमर्रा के कारोबार में ऐसा ही होता है? बिकवाल बढ़ने के कारण किसी शेयर के भाव एकदम से ही न टूट जाएं, इसके लिए शेयर बाजारों में एक व्यवस्था होती है, जिसे 'सर्किट ब्रेकर' कहा जाता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी शेयर का भाव तेजी से गिरने लगता है, तो जरूरत के हिसाब से दस-बीस या तीस फीसदी पर सर्किट ब्रेकर लगा दिया जाता है। इसके बाद आप उससे कम कीमत पर उस शेयर का सौदा नहीं कर सकते। सर्किट ब्रेकर की इस व्यवस्था का मकसद आम निवेशक को बाजार की निर्दयता और सट्टेबाजी से बचाना होता है। इसका फायदा उद्योगों व उद्योगपतियों को भी मिलता है, क्योंकि इससे उनका बाजार पूंजीकरण एकाएक नहीं डूबता। यह भी माना जाता है कि बाजार का टूटना अंत में पूरी अर्थव्यवस्था के हौसले पस्त करता है, इसलिए सर्किट ब्रेकर एक तरह से अर्थव्यवस्था को भी झटकों से बचाता है। अब लौटते हैं किन्नू किसानों पर। जिस फसल को वे पिछले साल तक बीस रुपये प्रति किलो की दर से बेच रहे थे, इस बार तीन रुपये किलो में भी उसके खरीदार नहीं मिल रहे। मंडियों में अक्सर चलने वाले इस खेल पर लगाम लगाने का कोई भी संस्थागत तरीका हमने अभी तक विकसित नहीं किया है। हमने निवेशकों, उद्योगों और यहां तक कि सटोरियों को बाजार की निर्दयता से बचाने के सुरक्षा कवच तैयार कर लिए हैं, लेकिन किसानों को बचाने के सुरक्षा कवच अभी तक हमारे पास नहीं हैं। शेयर बाजार में जिसे हम सर्किट ब्रेकर कहते हैं, वह पहली बार अमेरिका के शेयर बाजारों में तब लागू हुआ था, जब 1987 में अचानक आई मंदी से वहां के शेयर बाजार एकदम से धाराशायी हो गए थे। तब इसे बाजार में हस्तक्षेप नहीं माना गया था, इसे बाजार की व्यवस्था के परिपक्व होने की तरह देखा गया था। यही व्यवस्था बाद में भारत के शेयर बाजारों में भी आ गई। भारत में इस व्यवस्था का आना पूरे एक दशक तक चले उन सुधारों का हिस्सा था, जिसके केंद्र में यह चिंता थी कि आम निवेशक के हित सुरक्षित रहने चाहिए। बाजार के सुधारों का ऐसा ही सिलसिला कृषि मंडियों को लेकर भी चलाए जाने की जरूरत है, जिनके केंद्र में यह चिंता हो कि किसानों के आर्थिक हित सुरक्षित रहने चाहिए। कृषि का मामला हमारे लिए कई तरह से शेयर बाजार से बहुत ज्यादा अहमियत रखता है। सही या गलत, देश की 58 फीसदी आबादी अभी भी कृषि पर निर्भर है। जब आप किसानों के हितों की चिंता नहीं करते और उन्हें निर्मम बाजार के भरोसे छोड़ देते हैं, तो आप दरअसल देश की 58 फीसदी आबादी की अनदेखी कर रहे होते हैं। कृषि और किसानी की बहुत सी समस्याएं पूरी दुनिया में हैं। तकरीबन हर जगह किसानी बाजार के नियमों से जूझती हुई अपना अस्तित्व बनाए रखते हुए आगे बढ़ रही है। वहां जो हो रहा है, उससे सीखने के लिए बहुत कुछ है। मगर हमारी स्थितियां काफी अलग हैं। इसलिए हमें अपनी समस्याओं से निपटने के अपने औजार विकसित करने होंगे। एक अल्प पोषण वाले समाज में अगर किसान किन्नू जैसी फसल बरबाद करने को मजबूर हैं, तो इसका अर्थ है कि बहुत से विरोधाभासों को खत्म करने का समय आ गया है।

विचार

केजरीवाल को अब समन पर जाना होगा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने उनको आठवां समन भेजा है और चार मार्च को पूछताछ के लिए हाजिर होने को कहा है। केजरीवाल इससे पहले सात बार के समन की अनदेखी कर चुके हैं। उन्होंने और उनकी पार्टी ने ईडी के समन को गैरकानूनी बताया है और कई सवाल पूछे हैं। लेकिन सवालों के जवाब देने की बजाय ईडी लगातार समन भेजती जा रही है। ऐसा लग रहा कि यह सब किसी योजना के तहत हो रहा है। पांचवें समन के बाद केजरीवाल इस आधार पर ईडी के समन का विरोध कर रहे हैं कि जब खुद ईडी ने पीएमएलए की विशेष अदालत में शिकायत की है और अदालत में 16 मार्च को इस पर सुनवाई होने वाली है तो उससे पहले समन जारी नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर ईडी का कहना है कि पीएमएलए कोर्ट में उसकी शिकायत पर जो सुनवाई है वह बिल्कुल दूसरे मामले पर है। ईडी ने अदालत में यह याचिका नहीं दी है कि अदालत केजरीवाल को निर्देश दे कि वे ईडी के सामने पेश हों। अदालत में केंद्रीय एजेंसी के समन की अनदेखी से जुड़े बड़े सवालों पर सुनवाई होगी। एजेंसी ने कहा है कि जब मुख्यमंत्री जैसे ऊंचे पद पर बैठे लोग समन की अनदेखी करते हैं तो उसका गलत मैसेज जाता है। ईडी ने यह भी कहा कि केजरीवाल एजेंसी की जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और उसमें बाधा डाल रहे हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में तो 16 मार्च को सुनवाई होगी लेकिन उससे पहले इन सवालों पर सर्वोच्च अदालत ने ही स्थिति साफ कर दी है। इसलिए विशेष अदालत से कोई राहत हासिल करने की केजरीवाल की उम्मीदें समाप्त हो गई हैं। असल में बिल्कुल ऐसे ही मामले में तमिलनाडु की सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी। केंद्रीय एजेंसियों ने बालू के अवैध खनन से जुड़े मामलों में तमिलनाडु के कुछ जिला कलेक्टरों को समन भेजा था और पूछताछ के लिए बुलाया था। तमिलनाडु सरकार ने इसे चुनौती दी थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार यानी 27 फरवरी को इस पर सुनवाई में दो टूक अंदाज में कहा कि एजेंसियों के समन पर सबको हाजिर होना चाहिए। अदालत ने कहा कि यह उम्मीद की जाती है कि, जिसको एजेंसी समन देकर बुलाए वह एजेंसी के सामने हाजिर हो। जाहिर है कि तमिलनाडु के कलेक्टरों के बारे में दिया गया सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी लागू होगा। उन्हें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामले का भी ध्यान रखना चाहिए था, जिसमें 10वें समन के बाद उनको गिरफ्तार किया गया था। उनके मामले में भी अदालत से कोई राहत नहीं मिली थी। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केजरीवाल के लिए कानूनी राहत का रास्ता लगभग बंद हो गया है। तभी यह देखना दिलचस्प होगा कि चार मार्च को वे ईडी के सामने पूछताछ के लिए हाजिर होते हैं या नहीं?

दलबदल के लिए दोषी कौन

राज्यसभा चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग के बाद इस बात पर बहस छिड़ी है कि दलबदल के लिए असली दोषी कौन है? भाजपा के नेता और उनके समर्थक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद आदि पर ही ठीकरा फोड़ रहे हैं और कह रहे हैं कि जो पार्टी अपने विधायकों को नहीं संभाल पाई वह भाजपा से क्या लड़ेगी? हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का मजाक बनाया जा रहा है कि मुख्यमंत्री रहते उनको पता ही नहीं चला कि उनके विधायक साथ छोड़ कर जा रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा विरोधी पार्टियों के नेता और सोशल मीडिया का उनका इकोसिस्टम भाजपा को दोषी बता रहा है। उनका कहना है कि भाजपा ने अपनी ताकत का इस्तेमाल करके 'डाका डाला' है तो इसमें कांग्रेस या सुक्खू या अखिलेश यादव की क्या गलती है? इस बहस में एक दिलचस्प बात यह है कि जो लोग दलबदल के लिए भाजपा की खूब आलोचना कर रहे हैं वे ही लोग कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की तारीफ कर रहे हैं कि उन्होंने अपने विधायकों को एकजुट रखा और भाजपा के एक विधायक से क्रॉस वोटिंग करा दी साथ ही एक दूसरे विधायक को गैरहाजिर करा दिया। बहरहाल, दोनों तरफ से दिए जा रहे तर्कों में मेरिट है और इसलिए बहस चल रही है।

डोनाल्ड ट्रंप को हराना क्यों मुश्किल?

श्रुति व्यास

डोनाल्ड ट्रंप ने फिर साबित किया है कि वे अजेय हैं। 24 फरवरी को ट्रंप ने प्रतिस्पर्धी निकी हैली के गृहराज्य साऊथ केरोलाइना में जीत हासिल की। साऊथ केरोलाइना की पूर्व गर्वनर होने के बावजूद हैली प्रायमरी में हार गईं। यह आयोवा, न्यू हैम्पशायर और नवादा के बाद ट्रंप की प्राइमरीज में चौथी जीत है। इन जीतों से साफ़ है कि रिपब्लिकन मतदाताओं पर ट्रंप की पकड़ काफी मज़बूत है। जबकि ट्रंप पर आपराधिक आरोपों में मुकदमे चल रहे हैं। उन्हें जुर्माने बतौर और ज़मानत के लिए दसियों लाख डालर भुगतान करने पड़े हैं।बावजूद इसके वे लगातार रिपब्लिकन पार्टी के पसंदीदा नेता बने हुए हैं। आखिर क्या कारण है कि राष्ट्रपति के रूप में नाकामियों, लोकतंत्र के लिए खतरा होने की हकीकत के बावजूद ट्रंप, रिपब्लिकन पार्टी की चहेते हैं? यह एक मुनासिब सवाल है। और जवाब उनकी पार्टी में छिपा है। दरअसल रिपब्लिकन पार्टी 'व्यक्तित्ववादी' पार्टी बन गई है यानी कि पार्टी को कुछ लोग चला रहे हैं।वैसे यह स्थिति भारत सहित दुनिया में कई पार्टियों की है। जब पार्टी पर एक व्यक्ति का कब्जा हो जाता है तब विचारधारा और उसकी अभिव्यक्ति की भाषा ङ्क दोनों गौण हो जाते हैं। सन् 2015 में रिपब्लिकन पार्टी बहुत कमजोर स्थिति में थी। कई सालों से पार्टी में अंदरूनी झगड़े चल रहे थे, उसकी विचारधारा में स्पष्टता नहीं थी और नेताओं और समर्थकों के बीच की खाई चौड़ी होती हुई थी। ग्रेंड ओल्ड पार्टी (जीओपी) में नेतृत्व का अभाव था। पार्टी का चुनाव जीतने का फार्मूला नाकाम साबित हो चुका था। पुराने, मज़बूत नेताओं को प्राइमरीज में टी पार्टी (सन 2009 में टैक्स के अत्यधिक भार के खिलाफ अमरीका में शुरू हुआ आन्दोलन) के नौसीखियों के हाथों हार का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में ट्रंप अचानक पार्टी पर नमूदार हुए। रिपब्लिकनों को उनमें एक ऐसा दमदार व्यक्ति मिला जो दुबारा पार्टी का बोलबाला कायम कर सकता था। इसके पहले ट्रंप का न तो राजनीति से कोई लेनादेना था और ना ही रिपब्लिकन पार्टी से।उनके किसी भी सत्ताधारी रिपब्लिकन नेता से निकट संबंध नहीं थे। फिर भी ट्रंप 2016 के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने में सफल रहे। उनके विचार और उनका व्यक्तित्व इतना प्रभावशाली बना कि वे पार्टी के परंपरागत ढांचे को किनारे कर उसे अपने व्यक्तिगत राजनैतिक और आर्थिक हितों को आगे बढ़ाने का औजार बनाने में कामयाब हुए। वे रिपब्लिकनों के बॉस बन गए। वे उन पर दादागिरी करते थे, उन्हें अपमानित करते थे मगर फिर भी उन्हें कोई चुनौती नहीं देता था। पार्टी के नेता उन्हें झेलते रहे। इसलिए क्योंकि उनकी बेवकूफियां और उनका बेतुकापन मतदाताओं को पसंद आ रहा था। और जब सत्ता दांव पर लगी हो तो किसी की भी खड़े होकर साफ-साफ बात करने की हिम्मत नहीं होती ('राजा तो नंगा है' कहना आसान नहीं होता। पार्टी के प्रमुख नेता उनके एजेंडे से हटने की हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। यहां तक कि सन् 2020 में जीओपी में वही होता था जो ट्रंप चाहते थे। और आज भी रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार या पदाधिकारी बनने की मुख्य योग्यता है ट्रंप के प्रति वफादारी, ना कि पार्टी के सिद्धांतों के प्रति निष्ठा। ट्रंप के दौर के पहले के रिपब्लिकनों की बातें अब घिसी-पिटी मानी जाती हैं और मतदाताओं की दृष्टि में वे अप्रसांगिक हो गए हैं। इसमें कोई शक नहीं कि ट्रंप का रिपब्लिकन पार्टी में एकछत्र राज है। वे श्रद्धेय हैं और अपनी मनमर्जी पार्टी पर लाद सकते हैं। राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की दौड़ को ही लें। ट्रंप ने इसके लिए हुई एक भी डिबेट में भाग नहीं लिया, बल्कि वे ऐसा व्यवहार करते थे मानों वे राष्ट्रपति हों, न कि मौजूदा राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए प्रयासरत एक उम्मीदवार। ट्रंप का रिपब्लिकन पार्टी में इस हद तक बोलबाला है कि पार्टी के अन्य प्रमुख नेता उनके चापलूस नजर आते हैं जो ट्रंप की कृपादृष्टि चाहते हैं। यहां तक कि फ्लोरिडा के गर्वनर रोन डेसांटिस ट्रंप के उपहास और दुर्व्यवहार का सामना करने के बाद भी व्हाईट हाउस में उनकी वापसी की कोशिशों का समर्थन कर रहे हैं। उनका समर्थन प्रायमरी की दौड़ में किसी भी रिपब्लिकन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्हें पहले से ही अधिकांश प्रमुख निर्वाचित रिपब्लिकनों का समर्थन हासिल है। वे चुनावी चंदा हासिल करने और मत हासिल करने में भी बहुत आगे हैं। इस तरह ग्रेंड ओल्ड पार्टी अब ग्रैंड ओल्ड पार्टी नहीं रही। बल्कि वह ट्रंप की सनक और इच्छा के अनुसार चलने वाली पार्टी नजर आती है। ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद भी रिपब्लिकनों को उनका सामना करने के लिए कोई दमदार चेहरा नहीं मिल पाया। वे मतदाताओं के समक्ष कोई नया नेता प्रस्तुत करने में नाकामयाब रहे। आज के मतदाता ङ्क दुनिया के किसी भी इलाके के मतदाताओं की तरह ङ्क ऐसा नेता चाहते हैं जो उनके जैसी बातें करे, जो कुलीन न लगे और जो उनकी ओर से उनके शत्रुओं का मुकाबला कर सके। ट्रंप ने ये सारी खूबियां प्रदर्शित की हैं। श्वेत पुरूष और महिलाएं, जो कालेज नहीं गए, रिपब्लिकन पार्टी के मतदाताओं का प्रमुख हिस्सा हैं। वे ट्रंप को लेकर अतिउत्साहित हैं। उन्हें ट्रंप के रूप में ऐसा नेता नजर आता है जो उनके लिए संघर्ष करने को उद्यत है। अन्य कोई भी उम्मीदवार यह सिद्ध नहीं कर सका कि वह ट्रंप से बेहतर साबित हो सकता है। बल्कि वे अपने राजनीति करने के तौर-तरीकों से मतदाताओं से दूर बने रहे। निकी हैली और माईक पेंस ट्रंप के दौर के पहले के नेताओं के रंग-ढंग में नजर आए। रोन डेसांटिस और विवेक रामास्वामी ने ट्रंप की नकल करने की हर संभव कोशिश की। उन्होंने अपने आप को मेक अमेरिका ग्रेट अगेन एजेंडे के अपेक्षाकृत युवा और बेहतर पैरोकार के रूप में पेश करने की कोशिश की। मगर वे ट्रंप और उनके व्यक्तित्व का विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सके बल्कि उन्होंने अपने संसाधन इस प्रयास में खर्च कर दिए कि उन्हें ट्रंप समर्थकों की नाराजगी न झेलनी पड़े। डिबेटों, साक्षात्कारों, रैलियों के दौरान वे ट्रंप की ओर से सफाई देते रहे, उन पर लगे आपराधिक आरोपों के बारे में चुप्पी साधे रहे। बल्कि वे ट्रंप को शहीद साबित करनी में जुटे रहे और ट्रंप पर हो रही कानूनी कार्यवाही को बाईडन द्वारा उन्हें सताना बताते रहे। वे उनकी छवि हाल के समय के महानतम राष्ट्रपति की बनाते रहे। यहां तक कि पीईडब्लूई द्वारा किए गए।

दक्षिण में भी पूरा दम लगाती भाजपा.....

एस श्रीनिवासन

आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को दक्षिण भारत की सियासी पिच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे पर ज्यादा भरोसा है। पार्टी पांचों दक्षिणी राज्यों में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के लिए अलग-अलग रणनीति पर काम कर रही है। यहां दांव पर 130 सीटें हैं, जिनमें से भाजपा ने 2019 के चुनाव में 30 सीटों पर बाजी मारी थी। इनमें से कर्नाटक में उसे सर्वाधिक 51 प्रतिशत मत हासिल हुए थे, जबकि तमिलनाडु में सबसे कम 3.71 प्रतिशत। पुडुचेरी में उसने किसी को मैदान में नहीं उतारा था। पांचों दक्षिणी राज्यों में भाजपा का मत-प्रतिशत करीब 20 था, लेकिन पुडुचेरी को मिलाने के बाद यह घटकर 16.5 प्रतिशत हो जाता है। इस साल पार्टी ने देश भर में 50 प्रतिशत मत हासिल करने का लक्ष्य बनाया है, जिसके लिए वह उत्तर ही नहीं, दक्षिण भारत में भी खूब मेहनत कर रही है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिणी राज्यों में लगातार दौरे कर रहे हैं और विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं। अपने मंत्रियों को भी लगातार इन राज्यों में भेज रहे हैं और उनसे लोगों को केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताने को कह रहे हैं। पार्टी ने उचित ही सबसे ज्यादा ध्यान कर्नाटक पर लगाया है, जहां से पिछले आम चुनाव में उसे 26 सीटें मिली थीं। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की दुखद पारी के बाद पार्टी ने खुद को पुनर्गठित करने में कुछ वक्त लिया और अंत में हाशिये पर धकेल दिए गए बीएस येदियुरप्पा पर फिर से भरोसा करना उचित समझा। उनको न सिर्फ फिर से जिम्मेदारी दी गई है, बल्कि उनके बेटे बी वाई विजयेंद्र को राज्य भाजपा प्रमुख बनाया गया है। भाजपा को लगता है कि इससे लिंगायतों के वोट उसे वापस मिल सकते हैं, जो एक दबदबे वाली जाति है। एक

अन्य रणनीतिक कदम के तहत यह पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाले जनता दल (एस) के साथ गठबंधन करने जा रही है और उसे पांच सीटों की पेशकश की है। पार्टी का मानना है कि इससे मैसूर क्षेत्र में वोक्कालिगा के कुछ वोट उसकी झोली में आ सकते हैं। यह स्थिति 2019 के चुनाव से अलग है, जब पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया था और जद (एस) व कांग्रेस साथ थे। पिछले विधानसभा चुनाव में हिजाब, हलाला और लव जेहाद जैसे मुद्दों को उठाने वाली भाजपा इस बार हिंदुत्व पर कुछ नरम नजर आ रही है। उसके बजाय संघ परिवार के लोग हनुमान ध्वज को लेकर अपनी सक्रियता दिखा रहे हैं। उधर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आर्थिक संसाधनों के जायज बंटवारे का मुद्दा उठाकर केंद्र सरकार पर पक्षपात करने का आरोप लगा रहे हैं। वैसे, भाजपा के मजबूत राष्ट्रवाद के विरुद्ध उप-राष्ट्रवाद (किसी जाति या स्थानीय आकांक्षा) को आगे बढ़ाने का प्रयास केरल और तमिलनाडु जैसे पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्री भी कर रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तो इस तरह के एजेंडे को कहीं अधिक सूक्ष्म रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। केरल में भाजपा 2019 में दोहरे अंकों में मत-प्रतिशत पाने में सफल रही थी, लेकिन उसे कोई सीट नहीं मिल सकी थी। इस बार पार्टी अपना खाता खोलने के लिए कुछ सीटों पर ही ध्यान लगा रही है। पार्टी का मानना है कि पूरे प्रदेश में मत प्रतिशत बढ़ाने के बजाय कुछ खास निर्वाचन क्षेत्रों पर प्रयास करना उसके लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इस बार वह तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर और पथानामथिट्टा जैसी सीटों पर काम कर रही है, जहां वह या तो दूसरे स्थान पर थी या कांग्रेस व माकपा के बाद तीसरे पायदान पर। मोदी के करिश्मे के अलावा, अभिनेता सुरेश गोपी को टिकट देकर पार्टी यहां 'स्टार पावर' पर भी भरोसा कर रही है, जो त्रिशूर विधानसभा चुनाव में भाजपा के मत प्रतिशत को 31 तक बढ़ाने में कामयाब रहे हैं। भाजपा की तरह माकपा भी थॉमस इसाक और शैलजा टीचर जैसी प्रभावी शख्सियतों को मैदान में उतारकर अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश कर रही है। मगर ऐसा लगता है कि यह पहल काम नहीं कर रही, क्योंकि उनमें से कई ने चुनाव लड़ने में अनिच्छा दिखाई है। रही बात कांग्रेस की, तो वह राहुल गांधी की छवि पर भरोसा कर रही है, क्योंकि उनके फिर से वायनाड से चुनाव लड़ने की संभावना है। केरल में मतदाता लोकसभा और राज्य विधानसभा के चुनावों में अलग-अलग पैमाने पर प्रतिनिधि चुनते हैं। राज्य में जहां उनका भरोसा पी विजयन पर है, तो लोकसभा के लिए वह राहुल गांधी के साथ जा सकते हैं, फिर चाहे वह प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार न भी हों। तेलंगाना में भाजपा को 2019 में चार सीटें मिली थीं और इस बार वह इसे बढ़ाने को उत्सुक है। मगर विधानसभा चुनावों में बीआरएस के साथ अंदरखाने तालमेल का उसका फैसला कोई काम नहीं कर सका, इसलिए इस बार वह दुविधा में दिख रही है। 2019 में कांग्रेस वहां खस्ताहाल थी, पर इस बार वह एक मजबूत ताकत है। इसीलिए, तेलंगाना का चुनावी दंगल काफी दिलचस्प होने वाला है। रेवंत रेड्डी न सिर्फ बीआरएस नेता चंद्रशेखर राव के प्रभाव को खत्म करने की कोशिश में जुटे हैं, बल्कि अपने काडरों को भी काफी उत्साहित कर रहे हैं, जो अब भाजपा से मुकाबले के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं। आंध्र प्रदेश भी इन सबसे अलग नहीं है। यहां मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला रेड्डी की अचानक आमद के बाद राजनीति में हलचल मच गई है। अपनी पार्टी का विलय करने और राज्य कांग्रेस प्रमुख बनने के बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, सोमवार 04 मार्च 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की स्मृति में समाधि मन्दिर, शांति का प्रतीक बनेगा

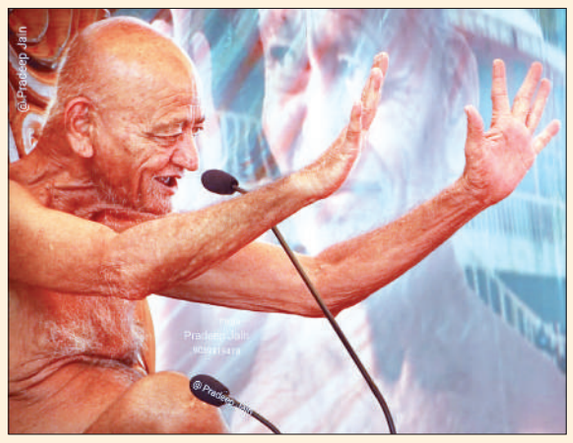

जबलपुर (विश्व परिवार)। श्री पिसनहारी तीर्थ में आयोजित विनयांजलि सभा में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए तीर्थ ट्रस्ट के प्रधानमंत्री राकेश चौधरी ने घोषणा की अति शीघ्र ही श्री पिसनहारी तीर्थ प्रांगण में सुंदर वास्तुकला युक्त समाधि मन्दिर (चरण छतरी)बनाई जावेगी, जो कि शांति, समरसता, व विश्व बंधुत्व के प्रकाश को जन जन तक प्रकाशित करेगी। उल्लेखनीय है कि परमपूज्य आचार्य 108 विद्यासागर जी गुरुवर का मंगल सानिध्य 3 चौमासे, दो-दो बार गजरथ एवं अनेक ग्रन्थों की बाचनाओं का लाभ पिसनहारी तीर्थ के माध्यम से संस्कारधानी को प्राप्त हुआ हैं, तीर्थ प्रांगण में ही गुरुवर द्वारा प्राण प्रतिष्ठित नंदिश्वर द्वीप मन्दिर, पार्श्वनाथ मंदिर संपूर्ण देश में जैन संस्कृति व वास्तु की ध्वजा फहरा रहे हैं। ट्रस्ट के प्रचारमंत्री चौधरी संजय जैन ने बतलाया कि आचार्य श्री की तपोभूमि के नाम से ख्यात पिसनहारी तीर्थ में प्रात: स्मरणीय आचार्य श्री की स्मृतियों को चिर स्थाई रखने सुंदर वास्तुकला युक्त समाधि मन्दिर, जिसमें आचार्य श्री के चरण एवं आचार्य श्री के पिसनहारी तीर्थ प्रवास से जुड़े संस्मरणों, छाया चित्रों व उनके द्वारा रचित कालजयी साहित्य को क्रमबद्ध रूप से संजोया जायेगा साथ ही श्वेत संगरमरमर पर उनके द्वारा दिये गए कालजयी कोटेशन लिपिबद्ध कर सुरक्षित किया जावेगा, जिससे कि आगामी पीढ़ी के लिए यह एक धरोहर की मानिंद सुरक्षित रह सकें। **-चौधरी संजय जैन**

राष्ट्रीय महिला जागृति मंच द्वारा महिलाओं का सम्मान

कोटा/राजस्थान (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय महिला जागृति मंच की कोटा टीम के द्वारा 1 मार्च शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस तलवंडी के डीएवी स्कूल में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कार्यक्रम में राजस्थान की राष्ट्रीय मंत्री साधना सिंघवी स्टेट इंचार्ज रेखा पांडे महासचिव विजया सोमानी सहित सभी महिलाओं ने भाग लिया इस कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसिपल पूनम सिंह जी एडवोकेट कल्पना शर्मा और डॉक्टर बी के कृष्णा को ट्राफी व माला पहनकर उनको सम्मानित किया गया। उक्त समस्त जानकारी राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी पारस जैन पाराश्व कोटा ने प्रदान की।

मुनि श्री संधान सागर जी महाराज ने कहा- आओ जानें स्वतंत्र होने का मार्ग

भामदेवी (विश्व परिवार)। संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य युवा तरुणाई के प्रखर वक्ता मुनिश्री 108 संधानसागर जी महाराज ने स्वयम्भू स्तोत्र पर प्रवचन करते हुये कहा कि भोगो का तंत्र परतंत्र का मार्ग है तो आत्म तंत्र आपको स्वतंत्र करने का रास्ता है। चक्रवर्ती की सम्पदा के सामने एक राई बराबर भी आपके पास नहीं फिर भी आप उस संपदा से ऐसे चिपके हैं जैसे-पोविकोल का जोड़ है-टूटेगा नहीं। मुनि श्री जी ने चक्रवर्ती के वैभव का वर्णन करते हुये कहा कि 7 अंग जिसमे षडंग बल है, 10 दिव्य भोग, 9 निधी, 14 रत्न, 32 हजार मुकूटबद्ध राजा, 96 हजार रानियाँ आदि तु ज अतुलनीय वैभव है फिर भी उसमें शांति नहीं। भूनिराज वह चक्रवर्ती जानता है कि इस भागतंत्र में शान्ति नहीं इसे छोड़ने पर ही शान्ति मिलेगी। तीर्थकरों ने उस सम्पदा को जीर्ण तृण सम छोड़ दिया। तभी उन शांति- नाथ भगवान ने परम शांति को पा लिया। गुरुदेव ने रसी आशय का हायकु दिया- जुडोना जोडो जोड़ा छोडो जोडी तो बे जाड़ जोड़ो।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका का विमोचन

यूगल मुनिराज के सान्निध्य में होने वाले आगामी 11 से 16 मार्च तक जो होगा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका का विमोचन भामदेवी में किया गया। समाज के अध्यक्ष एवं उनकी। कमेटी ने इस विशाल पत्रिका का विमोचन किया गया। मुनि श्री 108 संधानसागर जी महाराज ने इस अवसर पर कहा कि कमरे कस लो अब आमंत्रण दे रहे हो तो उनकी सभी व्यवस्थायें भी करना है। अध्यक्ष जी ने कहा कि यह मेला सम्पूर्ण भामदेवी गांव का है जैन ही क्या जैनेतर लोगो ने भी अपने मन्दिरों को सजाया है एवं अपने घरो को अतिथीयों के लिए खाली कर दिये हैं। इतना ही नहीं गांव का बच्चा-बच्चा इस पंचकल्याणक से बड़ा ही उत्साहित है।

-विद्यावाणी संकलन

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा- गुरू का कोई स्थानापन्न नहीं हो सकता

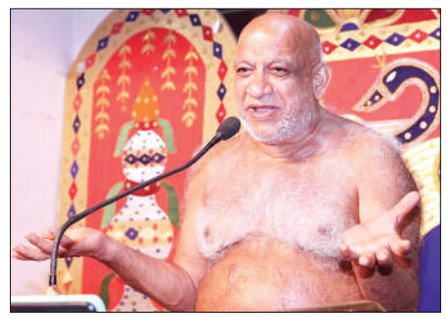

गौरेला (विश्व परिवार)। पदों पर प्रतिष्ठा हो सकती है पर गुरू का कोई स्थानापन्न नहीं हो सकता। गुरू के आदेश से असंभव लक्ष्य भी संभव हो जाता हैं। निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने जिज्ञासा समाधान में गुरू के अभाव की अनुभूति को व्यक्त करते हुये कहा कि अब मुझे आदेश, दिशानिर्देश कहां से मिलेगा। कहां गमन करना है कौन कहेगा।

कानपुर से कुण्डलपुर के लिये पदविहार कर रहे मुनिपुंगव गुरू के गुणों को बताते हुये भावना से भर गये। कुण्डलपुर से जब विहार किया था तो क्या पता था ये दर्शन अंतिम दर्शन है। निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर महाराज ने गुरू शिष्य के संबंध को दर्शाते हुये बताया कि गुरू जब आदेश देते हैं तो शिष्य में इतनी क्षमता ऊर्जा समा जाती है कि वह असंभव को भी संभव कर देता है। पिता का पुत्र पर पूरा अधिकार होता है, पिता का स्थान कोई चाचा नहीं ले सकता है। पिता और गुरू का वात्सल्य अतुलनीय अवर्णनीय है। आपने बताया कि जैसे पिता का स्थान चाचा नहीं ले सकता ऐसा ही पद पर चयन हो सकता है पर गुरू का स्थान सर्वोच्च और अपूर्णीय है।गुरू के जैसा कोई हो ही नहीं सकता।

मुनिपुंगव सुधासागरजी महाराज के गुरू श्रमण साधना शिखर संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज ने जीवन की श्रेष्ठतम परिणति प्राप्त करते हुये छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में गत माह समतापूर्वक समाधिमरण किया था। संघ के ज्येष्ठ श्रेष्ठ शिष्य निर्यापक मुनि श्री समय सागर महाराज को आचार्य श्री का उत्तराधिकारी आचार्य के दायित्व दिये जाने के संकेत हैं। आचार्य पदारोहण के लिये आचार्य श्री विद्यासागर से दीक्षित समस्त शिष्य मुनियों के कुण्डलपुर दमोह मध्यप्रदेश में पहुंचने के लिये मुनियों का विहार चल रहा है।

-वेदचन्द जैन

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में श्री सुपार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव आज दिनाँक - 03/03/2024 तिथि = फाल्गुन कृष्ण सप्तमी, 2550दिन : रविवार को राजधानी रायपुर के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड में समाज के धर्मप्रेमी बंधुओ द्वारा उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के जिनालयों में श्रद्धा की झलक थी। जिनालय परिसर भगवान सुपार्श्वनाथ के जयकारों से गुंजायमान हुए। इस दौरान धर्मावलम्बियों ने पूजा-अर्चना के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू एवं मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया की महोत्सव का शुभारम्भ जिनालयों में प्रात:काल सुबह 8.30 बजे जिनेन्द्र देव के किए गए रजत कलशों से अभिषेक के साथ हुआ। विश्व की सुख-समृद्धि व कामना के साथ मंत्रोच्चारों के बीच शांतिधारा कर जिनेन्द्र देव के चरणों में प्रभावित की गई। भक्ति और आस्था के रंग में डूबे शहर स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में श्रावक-श्राविकाओं ने देव-शास्त्र-गुरू की पूजन के साथ अपनी निर्मल भक्ति समर्पित करते हुए मंदिर के मूल नायक भगवान आदिनाथ भगवान की अष्टद्रव्यों से पूजन कर पंच कल्याणक के चार अर्घ्य चढ़ाने के बाद निर्वाण कांड का सामूहिक उच्चारण करते हुए हाथों में अर्घ्य, दीपक, श्रीफल लेकर भाव-भीनी भक्ति समर्पित करते हुए मोक्ष के प्रतीक स्वरूप मोदक (निर्वाण लड्डू) प्रभु चरणों में अर्पण कर श्रावकों के मन मुदित हो उठे और जिनालय परिसर भगवान सुपार्श्वनाथ के जयकारों से गूंज उठा। धर्मावलम्बियों ने जन्म-मरण के चक्र से निकलकर मोक्ष को प्राप्त करने की भावना प्रकट की। पूजन के उपरांत जिनेन्द्र देव की मंगल आरती उतारी और भगवान सुपार्श्वनाथ का गुणगान कर पुण्य का संचय किया। कार्यक्रम के दौरान श्रेयश जैन बालू उपाध्यक्ष प्रवीण जैन महेंद्र जैन पलक जैन समित जैन कुमुद जैन सहित समाज के गणमान्य महिला-पुरूष मौजूद थे। **-श्रेयश जैन बालू, प्रणीत जैन**

जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्री समयसागर जी महाराज का हुआ डोंगरगढ़ से विहार, अशोक नगर कमेटी विहार में हुई समलित

धर्मानुराग और विषायनुराग के अंतर को समझना होगा : मुनिश्री

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्री समयसागरजी महाराज ससंघ का चन्द्रोदय तीर्थ डोंगरगढ़ दस दिनों के प्रवास के बाद आज दोपहर वाद चन्द्रगिरि तीर्थ से मंगल विहार कर दिया मंगल विहार मे तीर्थ कमेटी अध्यक्ष किशोर जी महामंत्री चन्द्र कांत उपाध्यक्ष सुरेशकुमार टिम्बू भइया राजकुमार चन्द्र कुमार वरिष्ठ भाजपा नेता खूब चन्द्र जैन अशोक नगर समाज के मंत्री व मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा गंज मन्दिर संयोजक उमेश सिघई थूवोनजी कमेटी के कोषाध्यक्ष सौरव वाझल अशोक जैन धुर्रा राजकुमार छोटे चाचा जैन रिषि जैन सुनील जैन सौरव जैन वीना सहित भक्त साथ चल रहे थे रात्रि विश्राम कर बारतलाव में धर्म सभा को सम्बोधित किया।

इसके पहले धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्री समयसागरजी महाराज ने कहा कि धर्म रथ के दो पहिए श्रावक और श्रमण धर्म है इनके सहयोगी से रथ चलेगा श्रावक धर्म का भी उतना ही महत्व है जितना श्रमण धर्म का विना श्रावक धर्म के श्रमण धर्म का पूर्णत: पालन नहीं होगा इसलिए श्रमण धर्म के साथ श्रावक धर्म को जोड़ी की उपमा दी गई है। उन्होंने कहा कि विषायनुराग और धर्मानुराग के वीच के अंतर को समझना होगा धर्मानुराग करते करते व्यक्ति कव विषायनुराग की ओर अग्रसर हो जाता है पता ही नहीं चलता इसलिए व्यक्ति को हर समय सावधान रहने की आवश्यकता है।

जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्री समयसागरजी महाराज ने कहा कि विषायनुराग होता है एक प्रशस्त राग होता है एक धर्मानुराग होता है धर्मानुराग ही ग्रहस्थ को धर्म की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा है धर्मानुराग के कारण ही व्यक्ति सब कुछ छोड़ कर संत समागम के लिए वना है धर्मानुराग ही श्रावकों की नंइया पार उतारेगा और इस भव समुद्र से इस से पार उतारेगा उन्होंने कहा कि कहा कि हमें अपना कर्तव्य समझना चाहिए सभी अपने अपने कर्तव्य के प्रति सजग हो जायेंगे तो जीवन में सहजता आतीं चलीं जायेगी।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की। तपस्थलि डोंगरगढ़ आज देशभर के भक्तों की आस्था का केंद्र वन गया आचार्य भगवंत ने अपनी साधना से समाधि लेकर इस तीर्थ को इतनी ऊंचाईयां प्रदान की। ये डोंगरगढ़ दिगम्बर जैन समाज की नव आस्था के केन्द्र के रूप में भारतीय रजतपट पर अंकित होने जा रहा है। **-विजय धुर्रा**

विदेश मंत्रालय द्वारा दिये जाने वाले सभी शाही भोजन शाकाहारी हो, डॉ. कल्याण गंगवाल ने की डॉ. जयशंकर से अपील

वरुर (विश्व परिवार)। नवग्रह तीर्थ वरुर (हुबली)मे विदेश मंत्री भारत सरकार डा श्री एस जयशंकर के कर कमलो द्वारा आचार्य श्री गुणधरनंदी महाराज के पावन सानिध्य एवम लोकेश मुनि की मोजुदगी मे जैन एजीएम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज का हुआ शुभारंभ एवम डॉक्टर कल्याण गंगवाल की चित्रमय किताब सुखी जीवन का आधार शाकाहार का हुआ विमोचन !! इस विमोचन के साथ कर्नाटक में भी शाकाहार प्रचार अब गति पकड़ेगा इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री कर्नाटक श्री बसवराज बोम्मई केन्द्रीय संसदीय कार्य एवम कोयला मंत्री भारत सरकार प्रहलाद जोशी क्षेत्रीय विधायक एम् आर पाटिल एवम कुलपति विश्वेश्वरय्या प्रौद्योगिकी विश्वविधालय उपस्थित थे !! लगभग 1 मिनट हुई वार्ता में डॉक्टर गंगवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री डॉ एस जयशंकर से यह अपील की विदेश मंत्रालय द्वारा दिये जाने वाले सभी शाही भोजन शाकाहारी हो। इसी कार्यक्रम में मुंबई के श्री जमनाला हपावत और देहली के श्री मणिद्र जैन को जैन रत्न देकर सम्मानित किया गया। **-अभिषेक जैन लुहाड़ीया**

जैन धर्म के 7वें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया गया, मंदिरों में हुए विशेष आयोजन

जयपुर (विश्व परिवार)। जैन धर्मावलंबियों ने शनिवार को जैन धर्म के 7 वें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस एवं आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभू का ज्ञान कल्याणक दिवस भक्ति भाव से मनाया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर निर्वाण लाडू चढाया गया।

राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मुख्य आयोजन मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में हुआ। प्रात: भगवान सुपार्श्वनाथ एवं भगवान चन्द्रप्रभू के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि हेतु मंत्रोच्चार के साथ शांतिधारा की गई। भगवान सुपार्श्वनाथ की अष्ट द्रव्य से पूजा-अर्चना की जाकर पूजा के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा का उच्चारण किया गया। तत्पश्चात मोक्ष कल्याणक श्लोक असित फागुण सांतय पावनों। सकलकर्म कियो क्षय भावनों। गिरि समेदथकी शिव जातु है। जजत ही सब विघ्न विलातु है। का उच्चारण करते हुए मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। इस मौके पर समाजसेवी विनेश- प्रीति सोगानी, सुरेंद्र- सोनल जैन, अक्षय- आशा गोधा, श्रीमती मुन्ना देवी अमित जैन केकड़ी वाले, दीपेश - निधि अजमेरा ने सौभाग्य प्राप्त किया। **-विनोद जैन**

जिनकी जीभ बोलती है उन्हें कम लोग सुनते हैं जिनका जीवन बोलता है उसको सारी दुनिया सुनती हैं : आचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पांचवें दिन ज्ञान कल्याणक की क्रियाएं हुई

कामा (विश्व परिवार)। जिनकी जीभ बोलती है उन्हें कम लोग सुनते हैं जिनका जीवन बोलता है उसको सारी दुनिया सुनती हैं। सवाल यह कि क्या जैन जैन हैं या हिन्दू हैं तो जवाब जैन, जैन है क्योंकि वो इन्द्रीयों को जीतते हैं इसलिये जैन हैं किंतु वो समस्त हिन्दू धर्म की रीति नीति का अनुसरण करते हैं इसलिए जैन हिन्दू हैं उक्त उद्गार पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव कामां में आचार्य सुनील सागर महाराज ने व्यक्त किये।

पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि महोत्सव के दौरान रविवार को प्रात: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बौद्धिक आचार्य सुनील सागर महाराज के सानिध्य में हुआ तो स्वयंसेवक संघ के प्रमुख कार्यकर्ताओं को पाद प्रक्षालन व श्रीफल भेंट करने का मौका मिला। इस अवसर पर सामूहिक गीत, काव्य गीत के साथ दौलत सैनी ने आचार्य श्री के कामां आगमन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आप वर्तमान के राम लगते हैं। तो आचार्य श्री ने कहा कि कामां में प्रवेश हुआ तो ऐसे लगा जैसे अयोध्या में प्रवेश हुआ हो। उपस्थित सभी लोगों ने करतल धुनि से जयनाद किया।

भव्य समोशरण का हुआ निर्माण पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान शांति नाथ का भव्य समोशरण का निर्माण हुआ तो उद्घघाटन संकल्प जैन नदबई परिवार द्वारा किया गया तो मुख्य श्रोता बने भगवान दास मधु जैन ने प्रश्न किया। गणधर के रूप में विराजमान आचार्य सुनील सागर महाराज ने कहा कि यह संसार तो नश्वर है तभी शांति नाथ वैराग्य की ओर प्रवत्त हो गए। उन्होंने कहा कि माया के जाल में ऐसे उलझे हैं कि कुछ समझ ही नही आता। किते से आये किते चले गए किसी को कछु पते न लगे। संसार की बीमारी केंसर की तरह है अत: इसका इलाज संभव नही है। सुखी होना चाहते हो तो संसार से विमुख होना ही होगा। सहकारिता मंत्री गौतम दक पधारे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में बड़ी सादड़ी से विधायक एवं राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम दक पधारे तो उन्होंने कहा कि मैं आपके दर्शनों को लालायित था जैन श्रावक बड़े ही भोले होते हैं और दान की क्रियायो में अग्रणी भूमिका का निर्वहन करते हैं। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को देखने के लिए संपूर्ण कामा नगर उमड़ रहा है तो वहीं भोजन की व्यवस्थाएं कामवन जीव सेवा समिति खंडेलवाल मित्र मंडल, जायंट्स ग्रुप आफ कॉमवन अन्य समाजसेवी संस्थाओं ने संभाल रखी है। कार्यक्रम में व्यापार महासंघ किराना व्यापार महासंघ रेडीमेड यूनियन सैनी समाज छात्र-छात्राएं के साथ-साथ जैन श्रावक बड़ी संख्या में उमड रहे हैं। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया**

16 कारण भावनाओं के कारण अर्जित सातिशय पुण्य से तीर्थंकर नाम कर्म प्रकृति का बंध होता है : आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज

आचार्य श्री ने किए केश लोचन, 4 मार्च से पंच कल्याणक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों से होगा प्रारंभ

पारसोला (विश्व परिवार)। जो आत्माएं तीर्थंकर होती है वह वर्तमान भव से तीन भव पूर्ण केवली श्रुत केवली के पाद मूल में 16 कारण भावनाओं को भाकर 148 कर्म प्रकृतियों में सातिशय पुण्यशाली तीर्थंकर प्रकृति का आश्रव करते हैं उन आत्माओं के गर्भ में आने के समय से ही देवता किंकर की तरह सेवा करते हैं।आत्म कल्याण की प्रक्रिया है, पंच कल्याणक सभी तीर्थंकरों का कल्याणक होता हो ऐसा नियम नहीं है, लेकिन भरत व ऐरावत क्षेत्र में होने वाले तीर्थंकरों व विदेह क्षेत्र में होने वाले विद्यमान बीस तीर्थंकर पंचकल्याणक से पूजित होते हैं भूत, भविष्य, वर्तमान काल में ढाई दीप के भरत ऐरावत संबंधी 10 क्षेत्रों में 720 तीर्थंकर हो सकते हैं। यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने पंच कल्याणक के माता पिता सौधर्म इंद्र सहित सभी इन्द्रो कमेटी को आशीर्वाद में प्रगट किए। ब्रह्मचारी गज्जू भैय्या राजेश पंचोलिया अनुसार वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर जी सानिध्य में दिनांक 4 मार्च से पंच कल्याणक प्रारंभ होगा। इसके पूर्व आचार्य श्री सानिध्य में श्री पार्श्वनाथ मंदिर में पंचामृत अभिषेक एवम् शांति धारा हुई। जल विविध फलों के रस, द्राक्षा, नारंगी, दाडिम, सेव फल, रंभा, अन्नानास, आम्र, कीवी, सीता फल, पपीता, इक्षु, चीकू, अमरूद, संतरा, केला, नारियल सूखे मेवे में काजू, बादाम पिस्ता, अखरोट, शर्करा, घी, दूध, दही, सर्वोषधी, चार कलश, अनेक लाल, सफेद चंदन, विभिन्न पुष्प मंगल आरती, सुगंधित जल, अनेक द्रव्यों से पंचामृत अभिषेक किया। शांति धारा का सौभाग्य शांतिलाल मेंदावत को प्राप्त हुआ।आचार्य शिरोमणि श्री वर्धमान सागर जी पारसोला जिला प्रतापगढ़ में विराजित है आज आचार्य श्री ने समस्त संघ और भक्तों की उपस्थिति में केश लोचन किए।केश लोचन के बारे में मुनि श्री हितेंद्र सागर जी ने धर्म सभा में बताया कि प्रत्येक दिगंबर साधु को 2 माह से 4 माह की अवधि के भीतर के केशलोचन करना अनिवार्य है केशलोच दिगंबर साधु का मूल गुण है। **-राजेश पंचोलिया**

इंदौर में अयोध्या के मंदिर जैसा ही बना है, जैन तीर्थ श्री सुमति नाथ मंदिर

इंदौर (विश्व परिवार)। धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण शहर में अब मूलनायक भगवान 1008 श्री सुमति नाथ भगवान का भव्य मंदिर, शहर के बीचो-बीच एयरपोर्ट के नजदीक, गांधीनगर में, करीब दो बीघा, बहुमूल्य जमीन पर आकार ले रहा है।

सन 2017 में आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज ससंघ ने इस मंदिर की नींव का पत्थर रखा था। तब मंदिर के लाभार्थी मनीष-सपना गोधा परिवार को भी ब्रह्मांड की इच्छा का एहसास नहीं हुआ होगा इसकी रूपरेखा, आर्किटेक्चर एवं अन्य विशेषताएं देश के प्रतिष्ठित अयोध्या मंदिर के साथ समानता रखते हुए दृष्टिगोचर होने लगी है।

यह मंदिर अपने निर्माण के अंतिम चरण में है एवं दिनांक 6 मार्च से 11 मार्च तक धरती के देवता आचार्य शिरोमणि 108 श्री विशुद्ध सागर महाराज ससंघ यहां की मूर्तियों को भगवान का स्वरूप देने, जिसे पंचकल्याणक कार्यक्रम कहा जाता है के साक्षी बनने और इससे निमित्त सभी क्रियाओं को करने के लिए पधार रहे हैं। इस पंचकल्याणक में पहली बार, बिना धन की बोली के, शुद्ध धार्मिक भावनाओं के संकल्प सहित 5100 इंद्र-इंद्राणी व अन्य पात्रों का चयन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किया गया है। आधुनिक प्रबंधन के साथ प्राचीनतम आगम अनुरूप क्रियाओं के द्वारा यह पंचकल्याणक संपन्न करवाया जा रहा है। इंदौर का प्रतिष्ठित मनीष गोधा व परिवार ने भूमि से लेकर निर्माण व पंचकल्याणक तक के सभी कार्यों में अपनी चंचला लक्ष्मी का सदुपयोग किया है समस्त मूर्तियों एवं नक्काशी का कार्य निर्माण स्थल पर ही अत्यंत योग्य व उड़ीसा के कुशल कारीगरों द्वारा किया गया है। मान सम्मान से दूर, गोधा दम्पत्ति का मानना है कि यह कार्य ब्रह्मांड की दिव्य शक्तियों द्वारा ही किया जा सकता है और किया जा रहा है कृपया हमारा सम्मान कर हमें शर्मिदा न करे। हम तो निमित्त मात्र हैं। मंदिर के पास ही करीब 15000 स्क्वायर फीट में बनने वाले संत निवास भी पूर्णता की ओर अग्रसर है इसमें सभी जैन साधुओं के लिए आवास, आहार एवं शिक्षण की व्यवस्था संपूर्ण वर्ष भर रहेगी। **-संजीव जैन संजीवनी**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर सोमवार 04 मार्च 2024

संक्षिप्त समाचार

नक्सलियों ने भाजपा नेता को उतारा मौत के घाट

बीजापुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। एक बार फिर से नक्सलियों ने कायराना करतूत करते हुए भाजपा नेता पर जानलेवा हमला कर मौत के घाट उतार दिया है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गई है। बताया जा रहा है कि शादी समारोह में शामिल होने गए जनपद सदस्य और सहकारिता प्रकोष्ठ समिति के संयोजक तिरुपति कटला पर नक्सलियों ने प्राणघातक हमला किया है। जिसमें वह गभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरा मामला तियानार थाना क्षेत्र का है। बता दें कि प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा के शांति वार्ता प्रस्ताव के बीच नक्सलियों के स्माल एक्शन की टीम ने बड़ी घटना को अंजाम दिया है। हाल ही में गृहमंत्री ने नक्सलियों से बातचीत करने की पहल की थी। इस बीच आज माओवादियों ने जनपद सदस्य और सहकारिता प्रकोष्ठ समिति के संयोजक तिरुपति कटला पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। तिरुपति कटला शादी समारोह में शामिल होने तोयनार गांव गए हुए थे। समारोह से निकलते वक्त नक्सलियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है।

मुख्य प्रबंधक में बताई बैंकिंग सेवाएं और प्रशिक्षणार्थियों को किया प्रोत्साहित

जगदलपुर(विश्व परिवार)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में मशरुम कल्टीवेशन का निशुल्क प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक गोपाल कृष्ण आचारी ने प्रशिक्षणार्थियों को बैंकिंग सेवा की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को समय समय पर बैंक की योजनाओं का लाभ लेते हुए रोजगार की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक हेमंत सलाम ने मुख्य प्रबंधक का स्वागत किया एवं उनके संस्थान में चल रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य रुप से संकाय सदस्य रुमा राय समेत अन्य कर्मचारी मौजूद थे। संस्था के वरिष्ठ संकाय सदस्य एन मधुसूदन ने आभार व्यक्त किया।

ट्रक से करोड़ों का गांजा जब्त

महासमुंद(विश्व परिवार)। जिले की सिंघोडा थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एक ट्रक से 1725 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की कीमत 8.62 करोड़ रूपये आंकी गई है। मामले में 2 अंतरराज्यीय तस्करों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी उड़ीसा से गांजे लेकर छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र लेकर जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह पुलिस को मुखबिर से ओडिशा के रास्ते भारी मात्रा में गांजे की तस्करी करने की सूचना मिली थी। जिसके बाद महासमुंद जिले के उड़ीसा से लगे सरहदी थाना सिंघोड़ा के नाका रेहटिखोल में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की गई। इस दौरान ट्रक क्रमांक एमएच 21 बीएच 5855 को पुलिस ने रोका जिसमे दो व्यक्ति सवार थे। पुछताछ में दोनों ने अपनार नाम अविनाश म्हस्के (उम्र 27 साल) पिता ज्ञानेश्वर म्हस्के और संतोष पवार (उम्र 32 साल) पिता भीमराव पवार बताया। पुलिस ने जब गाड़ी में लोड सामन के बारे में उनसे पुछा तो दोनों गोलमोल जवाब देकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करने लगे। जिसके बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो दोनों ने ट्रक में खाली कैरेट के नीचे गांजा तस्करी कर मध्यप्रदेश लेकर जाने की बात स्वीकार की। जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने ट्रक की तलाशी ली और ट्रक में 50 प्लास्टिक की बोरियों के भीतर 862 पैकेट में 1725 किलोग्राम गांजा रखा पाया गया। जिसकी अनुमानित कीमत 8 करोड़ 62 लाख 50 हजार रूपये बताई जा रही है। पुलिस ने गांजे की इस खेप की तस्करी करने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी महराष्ट्र के जिला जालना के रहने वाले है जो कि उडिशा से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र जा रहे थे। फिलहाल सिंघोडा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है।

सीएसपी ने जमीन पर बैठकर लगाई जनचौपाल

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के नेतृत्व में सभी थाना चैकी में लगातार आम जनता को जागरूक करते हुए लोगों की समस्याएं भी सूनी जा रही हैं। साथ ही क्षेत्र में लगातार अवैध कार्यों पर सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में बांकीमोंगरा थाना पुलिस की अनोखी पहल नजर आई। नगर पुलिस अधीक्षक दर्री प्रशिक्षु आईपीएस रविन्द्र मीणा ने थाना बांकीमोंगरा प्रभारी निरीक्षक धर्मनारायण तिवारी के साथ बांकीमोंगरा थाना अन्तर्गत ग्राम जवाली पहुंचकर ग्रामीणों के साथ जमीन में चटाई बिछाकर जनचौपाल लगाई। इस दौरान श्री मीणा ने जनचौपाल में मौजूद ग्रामीणों की समस्या सुनी। कुछ समस्याओं का समाधान तत्काल किया गया। अन्य को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया गया।

सांसद एवं विधायकगणों ने किया पालना घर का शुभारंभ

जिले के पहले सर्व सुविधायुक्त पालना घर का आज विधिवत शुभारंभ

महासमुंद(विश्व परिवार)। आज यहां महासमुंद में सांसद चुन्नीलाल साहू, महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, बसना विधायक संपत अग्रवाल, खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने फीता काटकर पालना घर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों ने मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्वलित किया। इस मौके पर कलेक्टर प्रभात मलिक, वनमंडल अधिकारी पंकज राजपूत, जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक मौजूद थे। अतिथि गणों द्वारा पालना घर का अवलोकन करते हुए इसे सर्व सुविधायुक्त और बच्चों के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा पालना घर का निर्माण एक सराहनीय पहल है। इससे कामकाजी महिलाओं को चिंता से मुक्ति मिलेगी। चूंकि जिला मुख्यालय में पालना घर है इसलिए कलेक्ट्रेट, जिला पंचायत एवं अन्य कार्यालय के पालक अपने बच्चों को यहां सुरक्षित और निशुल्क रख सकते हैं। ज्ञात है कि पालना घर कार्यालय समय में सुबह 10:00 से शाम 5:30 बजे तक संचालित होगा। यहां केयर टेकर एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर अतिथि गणों ने बच्चों को गिफ्ट और चॉकलेट भी वितरित किए। कलेक्टर प्रभात मलिक ने बताया कि जिले में कुल 7 पालना घर तैयार किया जाना है जो विकासखंड स्तर पर भी होगा इसकी भी जल्दी ही शुरुआत की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर मलिक के पहल पर जिले का पहला सर्व सुविधायुक्त पालना घर तैयार किया गया है। विभिन्न रंगों से पुताई और चित्रांकन से पालना घर आकर्षक लग रहा है। यहां सभी वातानुकूलित कमरे और हॉल है। कुल तीन एसी लगे हैं। साथ ही 6 सीसीटीवी कैमरा से कमरों सहित कैंपस की निगरानी की जा रही है। यहां दो कक्ष बनाए गए हैं जिसमें एक दुलार कक्ष है जहां सुरक्षित स्तनपान कराया जा सकता है। वही एक स्वप्नलोक जहां पांच बिस्तरों वाला कमरा है जहां बच्चे आराम कर सकते हैं। यहां बच्चे बहुत ही खुशी और आनंद के साथ रहते हैं। पालना घर में बच्चों के खेलने के लिए आवश्यक खिलौना, झूला, शैक्षणिक सामग्री और अन्य सीखने योग्य सामग्री मौजूद है। हाल के चारों तरफ हिंदी और अंग्रेजी में सुंदर अक्षरों में वर्णमाला और गिनती लिखे हुए हैं। जिससे बच्चे सीख सकते हैं। वहीं बच्चों की आवश्यकता के अनुरूप फ्रिज सहित सुविधायुक्त किचन बनाया गया है, वॉशरूम में भी सभी सुविधाएं मौजूद हैं। इसके अलावा बर्तन तथा अन्य जरूरी चीजें रखी गई है।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत विद्यार्थियों को कराया गया भ्रमण

कांकेर(विश्व परिवार)। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार एवं राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम के तहत जिले के 700 से अधिक विद्यार्थियों को दो चरण में राज्य स्तरीय भ्रमण कार्यक्रम कराया गया है। इसके तहत अंतागढ, भानुप्रतापपुर, दुर्गुकोंदल एवं कोयलीबेड़ा के कुल 350 विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय भ्रमण कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों को छत्तीसगढ विज्ञान केन्द्र, रायपुर, स्वॉमी विवेकानन्द हवाई अड्डा रायपुर, शहीद वीर नारायण अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम एवं पुरखौती मुक्तांगन रायपुर का भ्रमण कराया गया। दुर्गुकोंदल के विद्यार्थी भ्रमण के दौरान विज्ञान केन्द्र में तारामण्डल कार्यक्रम देख कर बहुत उत्साहित हुए, वहीं कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के विद्यार्थी हवाई जहाज देख कर उत्साहित हुए। विद्यार्थियों ने विज्ञान केन्द्र में बने ध्वनी का मापन, इलेक्ट्रानिक मीटर, जल प्रवाह मापी, हवा की गति का मॉपन, परिणाम के अनुक्रम, सूक्ष्मतम से विशालतम, स्पर्श प्रतिक्रिया, श्रव्य प्रतिक्रिया, विज्ञान प्रदर्शनी, वायुमंडलीय दाब का मापन, सौरमण्डल आदि के मॉडल व उसमें लगे सेंसर से होने वाली प्रतिक्रिया को देख कर बहुत कुछ सिखा। साथ ही जिले के समस्त विद्यार्थियों को विज्ञान केन्द्र में तारामण्डल पर बनी वीडियो भी दिखाया गया, जिसमें सौरमण्डल के समस्त ग्रहों की पृथ्वी से दूरी, समस्त ग्रहों के नाम, उसका साईज तथा ग्रहों के क्रम को समझाया गया। साथ ही कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के विद्यार्थियों को थ्रीडी मूवी के माध्यम से मंगलग्रह, अंतरिक्ष व चाँद और अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन आदि के बारे में जानकारी मिली। साथ ही सभी विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में हवाई जहाज़ को इतने नजदीक से देखकर बहुत उत्साहित हुए तथा सभी विद्यार्थियों के चहरे खिल गए। उक्त भ्रमण के माध्यम से कई विद्यार्थियों को पहली बार राजधानी रायपुर को देखने का मौका मिला। इस दौरान रायपुर शहर और मंत्रालय परिसर आदि दिखाया गया।भ्रमण कार्यक्रम के अंत में समस्त विद्यार्थियों को पुरखौती मुक्तांगन में बस्तर आर्ट दिखाया गया। इस प्रकार अंतागढ़, भानुप्रतापपुर, दुर्गूकोंदल एवं कोयलीबेड़ा के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत भ्रमण कराया गया।

लूटपाट और फिरौती की मंशा से वाहन चालक का हत्याः तीन आरोपी गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिला पुलिस ने एक हत्या के मामले को सुलझाने में सफलता मिली है। करतला थानांतर्गत ग्राम नवाडीह सेंदरीवाली निवासी अमित साहू की हत्या के मामले में पुलिस ने कुल तीन कथित आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो उसी ग्राम के निवासी है। बताया जा रहा है, कि उन्होंने लूटपाट और फिरौती की मंशा से वाहन चालक अमित साहू को गनियारी के जंगल में बुलाया, चूंकि कथित आरोपी उसी ग्राम के निवासी थे, इस कारण उन्होंने उसे मौत के घाट उतार दिया और उसकी लाश को मौके पर छोड़कर भाग खड़े हुए। इस मामले को सुलझाने के लिए पुलिस 15 दिनों तक ग्राम नवाडीह सेंदरीवाली में ही रहकर छानबीन करती रही। पुलिस की पांच अलग-अलग टीमों ने जांच-पड़ताल की, जिसके बाद ग्राम सेंदरीपाली से एक कथित आरोपी को गिरफ्तार किया गया दूसरा कथित आरोपी को रायपुर से पकड़ा गया जबकि तीसरे कथित आरोपी को नेपाल बॉर्ड से गिरफ्तार किया गया। बता दे कि मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं उप पुलिस अधीक्षक अजाक बनेडिक्ट मिंज के पर्यवेक्षण में एक टीम गठित किया गया जिसमे थाना करतला, थाना उरगा, सायबर सेल कोरबा को दिशानिर्देश प्राप्त हुआ। वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त दिशानिर्देश के परिपालन में टीम के द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया, टीम के साथ फोरेंसिक अधिकारी, डॉग स्कॉड को भी शामिल किया गया। टीम के द्वारा घटना स्थल कि बारीकी से जाँच की गई, जाँच के दौरान पाया गया की बोलेरों में भी खून के निशान पाये गए।

वन परिक्षेत्र बहरासी के रामगढ़ में लकड़ी तस्करी करने पर की गई कार्यवाही

वन विभाग की संयुक्त कार्यवाही में कई गाड़ियां जप्त

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर(विश्व परिवार)। वन मंडल मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत आने वाले बहरासी वन परिक्षेत्र के रामगढ़ जंगल से देर रात लकड़ी तस्करी करने का मामला सामने आया है। वन विभाग द्वारा की गई कार्यवाही में सभी आरोपी मौके से फरार हो गये वहीं कई गाड़ियों को जप्त कर लिया गया है। आपको बता दें कि रामगढ़ के जंगलों से लगातार पेड़ कटाई करके लकड़ी की तस्करी की सूचना लगातार मिल रही थी जिसे गम्भीरता से लेते हुए वन विभाग द्वारा सयुक्त टीम बनाकर कटाई स्थल में पहुचकर लकड़ी लोड वाहन सहित क्रेन, ऑटो,दो मोटरसाइकिल को जप्त किया गया है। सभी जप्त सामग्रियों को वन विभाग के काष्ठागार में रखा गया हैं। एसडीओ .एस. कंवर ने बताया कि यह पूरा मामला बहरासी वनपरिक्षत्र के रामगढ़ के जंगल का हैं जहाँ लगातार पेड़ कटाई की सूचना मिल रही थी जिसे मद्देनजर रखते हुए टीम गठित कर कार्यवाही की गई हैं।कार्यवाही में लकड़ी से लदे हुए वाहन,क्रेन,ऑटो,दो मोटरसाइकिल जप्त की गई है। जप्त लकड़ी एवं वाहन की कीमत लगभग 30 से 40 लाख रुपये आंकी गई है वही फरार हुए आरोपियों को जल्द पतासाजी करते हुए गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

पूर्व के सरकार में आए भारी भरकम बिल पर नए सरकार में वसूली और मीटर उखाड़ने का खेल

किसानों की समस्या को देखते हुए जिला पंचायत सभापति राहुल टिकरिहा ने जिलाधीश को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा(विश्व परिवार)। बिजली विभाग द्वारा कांग्रेस सरकार में भेजे गए भारी भरकम बिजली बिल पर अभी के सरकार में कार्यवाही और लगातार अघोषित बिजली कटौती मामले पर जिला पंचायत के सभापति राहुल टिकरिहा ने किसानों/ग्रामीणों को राहत प्रदाय हेतु जिलाधीश रणबीर शर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। पत्र में लिखते हुए बताया गया है कि बेमेतरा जिला के किसान लगातार बिजली कटौती से हताश है जिससे किसान चक्काजाम तक मजबूर हो गए है, वहीं पूर्व की सरकार में भेजे गए भारी भरकम बिजली बिल पर अब विभाग द्वारा कोर्ट से नोटिस व मीटर उखाड़े जाने की कार्यवाही की जा रही है। जो निंदनीय है और किसानों को ऐसा प्रताड़ित कर विभाग नव गठित सरकार की क्षवि धूमिल करने में लगी हुई है। विद्युत केंद्र कठिया रांका के ग्रामीणों को 2 साल पूर्व 50 हजार से लेकर 2 लाख तक के बिजली बिल भेजे गए थे। जिसको क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य राहुल टिकरिहा ने आड़े हाथों लेते हुए कई बार आंदोलन किया और कठिया में तत्कालीन मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात के दौरान प्रदर्शन करने पर 3 दिन जेल भी भेजा गया था। जिसके बाद विद्युत विभाग ने कार्यवाही रोक रखा था। लेकिन नए सरकार बनते ही न्यायालय नोटिस और मीटर उखाड़ने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई जिसको लेकर जिला पंचायत सदस्य ने जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा। हाल में बेमेतरा के किसान अघोषित बिजली कटौती से प्रताड़ित होकर मुख्यमंत्री आवास और बेमेतरा में चक्काजाम तक मजबूर हो गए। वहीं किसानों से नए सरकार में वर्ष 2016 के बाद अटल ज्योति का बिल भेज दिया गया है। जिससे किसान आक्रोशित है इन समस्याओं को दूर करने राहुल टिकरीहा ने किसानों व ग्रामीणों के समर्थन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।

सायबर अपराधों पर नकेल कसने एक दिवसीय जिला स्तरीय क्षमता विस्तार कार्यशाला का आयोजन सम्पन्न

जगदलपुर(विश्व परिवार)। सायबर अपराधों के लगातार बढ़ रहे मामलों पर नकेल कसने के लिए शहर के शौर्य भवन में शनिवार को पुलिस ऑडिटोरियम में उप संचालक अभियोजन आरके मिश्रा, डीएसपी दिलीप कोसले के द्वारा 1 दिवसीय जिला स्तरीय क्षमता विस्तार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में साइबर फॉरेंसिक, धारा 41 द.प्र.स. में पुलिस अधिकारीयों को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के दिशनिर्देश और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम से सम्बंधित दिशानिर्देश विषय पर चर्चा की और उनका मार्गदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा की उपस्थिति और उनके मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारीयों को बताया गया कि वर्तमान में विवेचक को अपराधी से एक कदम आगे होकर कार्यवाही करनी होगी। इसके तहत साइबर क्राइम और अन्य अपराधों की विवेचना के लिए साइबर फोरेंसिक के महत्व को इंगित किया। इसके अलावा 7 वर्ष से कम के दंडनीय अपराधों में बिहार राज्य के अर्नेश कुमार दिशानिर्देश पर विस्तार से चर्चा हुई। विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम में हुए संशोधन और पुलिस को इन मामलों में जो सावधानियां बरती जानी चाहिए उस पर भी विस्तृत रूप से चर्चा हुई।

महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा ने ममता बनर्जी का किया पुतला दहन

कोरबा(विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत के आदेश पर पश्चिम बंगाल के संदेशखली क्षेत्र में महिलाओं के साथ दुष्कर्म अत्याचार एवं जघन्य अपराध घटित होने के विरोध में 1 मार्च को टी.पी. नगर चैक में ममता बनर्जी का पुतला दहन महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी मनोज मिश्रा, जिला मीडिया सह प्रभारी पवन सिन्हा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वैशाली रत्नपारखी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष पंकज सोनी, अजा मोर्चा अध्यक्ष सरजू अजय, महिला मोर्चा जिला महामंत्री संजू देवी राजपूत, युवा मोर्चा जिला महामंत्री अनूप यादव, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष रंजू यादव, पूर्व मंडलअध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष स्वाति कश्यप, प्रतिमा सोनवानी, अर्चना रूनिझा, देवकी साहू, मंडल महामंत्री पुष्पकला साहू, हेमलता निर्मलकर, अनीता राजपूत, कविता यादव, रेनू प्रसाद, प्रमिला सागर, गौरी केंवट, मालती वर्मा, पूजा श्रीवास्तव, मंजू ठाकुर, निक्की कौर, राजेश लहरे सहित समस्त युवा मोर्चा, महिला मोर्चा के सदस्य उपस्थित रहे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर सोमवार 04 मार्च 2024

व्यापार समाचार

उज्जैन के रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से आएगा 75,000 करोड़ का निवेश

उज्जैन(एजेंसी)। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में शुक्रवार से दो दिवसीय रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शुरू हो रहा है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 75 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश आने की संभावना जताई जा रही है। आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी में बताया गया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, विक्रमोत्सव और विक्रम व्यापार मेले का शुभारंभ किया। मुख्य कार्यक्रम उज्जैन जिले के कालिदास अकादमी में आयोजित किया जायेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत लाडली बहनों को राशि का भी वितरण करेंगे। इस रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में जो प्रोजेक्ट आ रहे हैं, वह प्रदेश के भोपाल, उज्जैन, इंदौर सहित 20 जिलों में हैं। इन 56 प्रोजेक्ट्स से 75 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आएगा, जिससे 17,000 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में अब तक 35 कंपनियों से 74,711 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर सहमति बन गई है। यह आंकड़ा कॉन्क्लेव तक और बढ़ेगा। कॉन्क्लेव में 800 से अधिक इन्वेस्टर्स शामिल होंगे। साथ ही 30 फॉरेन डेलिगेट्स भी सहभागिता करेंगे। कॉन्क्लेव में बड़े उद्योगपतियों को आमंत्रित करने और बड़े एमओयू साइन करने की बजाय सरकार का फोकस है कि ज्यादा से ज्यादा प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतारा जाए। इसी रणनीति के तहत सरकार ऐसी कंपनियों और इंडिविजुअल इन्वेस्टर को प्राथमिकता दे रही है जो तुरंत निवेश के लिए तैयार हों। कॉन्क्लेव में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बायर-सेलर मीट पर फोकस किया जा रहा है। अभी तक 3,200 से ज्यादा यूनिट्स ने बायर-सेलर मीट में रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके जरिए प्रदेश के उत्पादकों, कृषि उत्पादों, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट्स को वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा भी करेंगे। इससे निवेशक सीधे अपनी बात मुख्यमंत्री के सामने रख सकेंगे। प्रदेश की औद्योगिक नीति के बारे में विस्तार से चर्चा करने और उद्योगपतियों को जानकारी प्रदान करने के लिए पांच सेक्टोरियल सेशन भी होंगे। इसमें विषय विशेषज्ञ उद्योगपतियों को प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य और नीतियों के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

शेयर बाजार में तूफानी तेजी, निवेशकों ने की 4.29 लाख करोड़ से अधिक की कमाई

मुंबई (एजेंसी)। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था के अनुमानों से बेहतर प्रदर्शन करने के साथ ही देश में सेमीकंडक्टर के विनिर्माण के लिए 1.26 लाख करोड़ रुपये निवेश वाली तीन इकाइयों को मंजूरी मिलने और वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के बल पर हुयी लिवाली से शेयर बाजार में आज तूफानी तेजी रही जिससे बीएसई 74 हजार अंक की ओर लपक गया। इस दौरान आयी तेजी से निवेशकों को 4.29 लाख करोड़ रुपये से अधिक कमाई हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1245.05 अंकों की उछाल लेकर 74 हजार अंक की ओर लपकते हुये 73745.35 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 355.95 अंक की तेजी लेकर 22338.75 अंक पर पहुंच गया। दिग्गज कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में लिवाली कुछ सुस्त रही जिससे बीएसई का मिडकैप 0.89 प्रतिशत बढ़कर 39696.49 अंक पर और स्मॉलकैप 0.68 प्रतिशत उठकर 45532.46 अंक पर रहा। आज की तेजी से बीएसई का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 39225029.98 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो पिछले दिवस के 38795690.23 करोड़ रुपये की तुलना में 429339.75 करोड़ रुपये अधिक है। इस तरह से निवेशकों ने 4.29 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रहा है जिससे चालू वित्त वर्ष में जीएसटी के अब 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया गया है जबकि पहले अग्रिम अनुमान में इसके 7.3 प्रतिशत रहने की बात कही गयी थी। आर्थिक गतिविधियों में आयी इस तेजी के साथ ही सरकार ने कल देश में सेमीकंडक्टर निर्माण को गति देते हुये 1.26 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली तीन इकाइयों के निर्माण को मंजूरी दी। इससे दुनिया भर के निवेशकों को आकर्षण भारत की ओर बढ़ा है।

सीग्राम के रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का सीज़न 2 एक शानदार ऑन-ग्राउंड अनुभव से शुरू हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल युवा जोश से भरे चार शहरों की यात्रा करते हुए, सीग्राम का रॉयल स्टैग अनुभवात्मक म्यूजिक फेस्टिवल, रॉयल स्टैग बूमबॉक्स - द ओरिजिनल साउंड ऑफ जनरेशन लार्ज वापस ला रहा है, जो संगीत की विभिन्न शैलियों - बॉलीवुड मेलोडी और हिप-हॉप को एक साथ पेश कर रहा है। इस प्लेटफ़ॉर्म का दूसरा सीजन मध्य प्रदेश के इंदौर से शुरू हुआ। 3 मार्च, 2024: 'लिविंग इट लार्ज' की भावना के साथ सीग्राम का रॉयल स्टैग अपनी तरह के ख़ास म्यूजिक फेस्टिवल, रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का दूसरा संस्करण पेश कर रहा है, जिसमें बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा धुनों और हिप-हॉप का बेहतरीन मिश्रण है। इस साल इस म्यूजिकल अनुभव के पहले ऑन-ग्राउंड अनुभव का आयोजन 2 मार्च, 2024 को इंदौर, मध्य प्रदेश में हुआ। यह शहर तब जीवंत हो उठा, जब रॉयल स्टैग बूमबॉक्स में संगीत उद्योग के विपरीत ध्रुव एक नया संगीत, एक नया साउंडस्केप बनाने के लिए एक साथ आए। लगभग 10,000 उत्साहित दर्शकों के साथ इंदौर में रॉयल स्टैग बूमबॉक्स की युवा ऊर्जा की लहर दौड़ गई। आयोजन स्थल (वेल्वेट गार्डन) जीवंत रंगों और ध्वनियों से जगमगा रहा था। आगंतुकों को एक ही छत के नीचे संस्कृति, व्यापार, भोजन और अनेक इंटरैक्टिव अनुभवों का आनंद मिल रहा था। यह अवसर स्पष्ट रूप से युवा माहौल में डूबा हुआ था, जो इस शहर की जीवंत भावना को प्रतिध्वनित कर रहा था, और एक साल पहले शहर में रॉयल स्टैग बूमबॉक्स के पहले ऑन-ग्राउंड अनुभव की यादें ताजा कर रहा था। इस शाम का समाँ मुख्य कार्यक्रमों के साथ अनेक आकर्षक प्रदर्शनों ने बांध दिया, जिनमें स्थानीय बैंड, डांसर, फ़्लिपर्स और बीटबॉक्सर्स के प्रदर्शन शामिल थे।

चीन में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उत्सुक हूं' : हार्दिक सिंह

नई दिल्ली(एजेंसी)। एशियाई हॉकी महासंघ ने 28 फरवरी को घोषणा की कि पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 आठ से 17 सितंबर 2024 तक हुलुनबुइर शहर, इनर मंगोलिया,चीन में होगी। जो टीमें इस संस्करण के लिए योग्य हैं उनमें चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान और मौजूदा चैंपियन भारत शामिल हैं। टूर्नामेंट के महत्व पर बोलते हुए, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है जहां टीमें एशिया की सर्वश्रेष्ठ हॉकी टीम होने का दावा करने के लिए संघर्ष करती हैं। हमारा लक्ष्य दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना है, और उस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम ट्रॉफी को बरकरार रखना और एशिया में सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना होगा। भारत 3 से 12 अगस्त तक चेन्नई में आयोजित एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के पिछले संस्करण में विजयी हुआ। वे 4 जीत और 1 ड्रा के साथ पूल में शीर्ष पर रहे, जापान के खिलाफ ड्रा था। सेमीफाइनल में, उनका फिर से जापान से सामना हुआ और 5-0 से जीत दर्ज की। फाइनल में, भारत हाफ टाइम तक 3-1 से पिछड़ रहा था, लेकिन दूसरे हाफ में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, गुरजंत सिंह और आकाशदीप सिंह के गोल ने सुनिश्चित किया कि भारत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 का चैंपियन बने। टीम के प्रदर्शन पर विचार करते हुए हार्दिक ने कहा, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 एक शानदार टूर्नामेंट था। एक टीम के रूप में, हम अभी भी मुख्य कोच क्रेग फल्टन के तहत खेल की नई शैली को अपना रहे थे, और स्वर्ण पदक जीतना उस प्रगति का प्रमाण था जो टीम ने उनके तहत की थी। रास्ते में हमारी मदद करने के लिए हमारे साथ मेंटल ट्रेनर पैडी अप्टन भी थे, और जब हम फाइनल में मलेशिया से पिछड़ रहे थे, तब टीम ने उनके बारे में अपनी बुद्धिमत्ता बनाए रखने और चीजों को बदलने के लिए जबरदस्त चरित्र दिखाया।

धर्मशाला टेस्ट से केएल राहुल बाहर बमुराह की टीम में वापसी

नई दिल्ली(एजेंसी)। धर्मशाला टेस्ट के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया गया है जिसमें जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है। वहीं केएल राहुल को अंतिम और पांचवे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। भारत-इंग्लैंड के बीच धर्मशाला टेस्ट 7 मार्च से शुरू होगा। इंग्लैंड के खिलाफ केएल राहुल ने सीरीज का पहला और एकमात्र टेस्ट खेला। इसके बाद वो दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द की शिकायत के कारण टीम से बाहर रहे हैं। नए अपडेट में बताया गया है कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम उन पर कड़ी नजर रख रही है और उनकी समस्या के आगे के प्रबंधन के लिए लंदन में विशेषज्ञों के साथ बातचीत चल रही है। बोर्ड ने आगे कहा कि रांची में चौथे टेस्ट के लिए टीम से रिलीज किए गए शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पांचवें टेस्ट के लिए धर्मशाला में टीम के साथ जुड़ेंगे। इस बीच, वाशिंगटन सुंदर को मुंबई के खिलाफ 2 से 6 मार्च तक नागपुर में होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच के लिए तमिलनाडु टीम में शामिल होने के लिए टीम से रिलीज कर दिया गया है। पांचवां और अंतिम टेस्ट 7 मार्च से धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा।

बीसीसीआई करेगा मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का आयोजन : रिपोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में क्रिकेट खेल नहीं, जुनून है। यहां फैंस को फर्क नहीं पड़ता कि क्रिकेट के कौन से फॉर्मेट का मैच खेला जा रहा है। हालांकि, ये जुनून महिला क्रिकेट के मामले में थोड़ा ठंडा पड़ जाता है, लेकिन बीते कुछ साल में महिला क्रिकेटरों ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यही वजह है कि बीसीसीआई महिला प्रीमियर लीग के बढ़ते क्रेज के बीच अब महिल रेड-बॉल टूर्नामेंट आयोजित करने पर भी विचार कर रहा है। पिछले कुछ सालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जितनी तरक्की की है उसका कोई जवाब नहीं। डब्ल्यूपीएल 2024 के बीच खबर आ रही है कि

बीसीसीआई ने एक बहु-दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित कर देश में महिला रेड-बॉल क्रिकेट शुरू करने की योजना तैयार की है। अगर ऐसा होता है तो भारतीय महिला क्रिकेट के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि हो सकती है। बताया जा रहा है कि यह टूर्नामेंट मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल 2024) के तुरंत बाद आयोजित होने वाला है, जो 17 मार्च को समाप्त होगा। क्रिकबज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का आयोजन करने का फैसला किया है। यह तीन दिन का होगा। टूर्नामेंट 29 मार्च से पुणे में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। टीमों को क्षेत्रों के आधार पर बांटा गया है। इसमें पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, मध्य और नॉर्थ ईस्ट की टीम इसमें शामिल होंगी। ये टीमें पांच मैचों की सीरीज में हिस्सी लेंगी। टूर्नामेंट 29, 30 और 31 मार्च को एक साथ होने वाले दो क्वार्टर फाइनल के साथ शुरू होगा।

यूपी में पहली मार्च से गेहूं की खरीद, 2,275 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया समर्थन मूल्य

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पहली मार्च से गेहूं की सरकारी खरीद शुरू होकर 15 जून तक चलेगी। सरकार ने 2,275 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं का समर्थन मूल्य निर्धारित किया है। योगी सरकार ने निर्देश दिया है कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि गेहूं की बिक्री हेतु किसानों को खाद्य एवं रसद विभाग के पोर्टल, विभाग के मोबाइल ऐप यूपी किसान मित्र पर पंजीकरण-नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। किसानों से अनुरोध किया गया है कि गेहूं को ओसाकर, मिट्टी, कंकड़, धूल आदि को साफकर अच्छी तरह से सुखाकर ही क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए लेकर जाएं। इस वर्ष बटाईदार किसानों द्वारा भी पंजीकरण कराते हुए गेहूं की बिक्री की जा सकेगी। गेहूं खरीद के लिए किसानों का खाद्य एवं रसद विभाग के पोर्टल पर पहली जनवरी 2024 से ऑनलाइन पंजीयन शुरू है। अब तक 1,09,709 किसानों ने पंजीयन करा लिया है। रविवार और अन्य अवकाशों को छोड़कर 15 जून तक क्रय केंद्रों पर प्रतिदिन गेहूं खरीद सुबह 9 से शाम 6 बजे तक चलेगी। सरकार ने निर्देश दिया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इसकी तैयारी भी कर ली गई है। किसी भी विषम परिस्थितियों के लिए विभाग ने टोल फ्री नंबर 18001800150 जारी किया है।

डोपिंग टेस्ट में फेल हुए पॉल पोग्बा

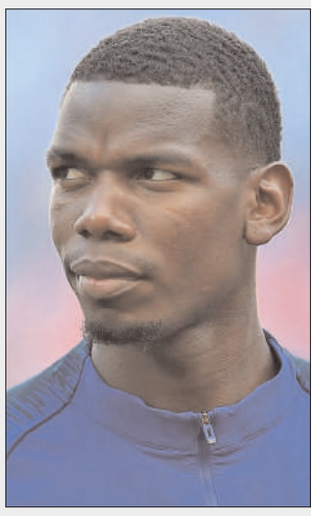

नई दिल्ली(एजेंसी)। विश्व कप विजेता और मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व मिडफील्डर पॉल पोग्बा को डोप टेस्ट में फेल होने के बाद फुटबॉल से चार साल के लिए बैन कर दिया गया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के पूर्व महासचिव शाजी प्रभाकरन ने एक्स पर यह खबर शेयर की है। उन्होंने लिखा, पॉल पोग्बा को डोपिंग टेस्ट में फेल होने के बाद चार साल के लिए फुटबॉल से निलंबित कर दिया गया है। पोग्बा को शुरू में असफल परीक्षण के बाद सितंबर में नाडो (इतालवी डोपिंग रोधी संगठन) द्वारा अस्थायी निलंबन सौंपा गया था। प्रतिबंध का मतलब है कि पोग्बा, जिन्होंने 2018 में फ्रांस के लिए फीफा विश्व कप जीता था, अब जब वापसी करेंगे तब तक संभावित रूप से 33 वर्ष के हो सकते हैं। फिलहाल,2026 तक पॉल पोग्बा का कॉन्ट्रैक्ट जुवेंटस के साथ है। माना जा रहा है कि वो शायद अब इस टीम के लिए फिर कभी नहीं खेलें। इटालियन क्लब के साथ उनका दूसरा कार्यकाल बहुत बुरा रहा है।

आईआईएफएल फाईनेंस के 'लेडीज़ फर्स्ट' गोल्ड लोन मेला में गोल्ड लोन लेने वाली महिलाओं को पुरस्कार दिए जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग फाईनेंस कंपनियों में से एक, आईआईएफएल फाईनेंस ने केवल महिला ग्राहकों के लिए एक अद्वितीय 'लेडीज़ फर्स्ट' गोल्ड लोन मेला अभियान पेश किया है। अपनी तरह के इस अनोखे अभियान में 5 मार्च से 12 मार्च, 2024 के बीच भारत में किसी भी आईआईएफएल फाईनेंस शाखा से गोल्ड लोन लेने वाली महिला ग्राहकों को जीरो प्रोसेसिंग शुल्क के साथ निश्चित उपहार भी दिया जा रहा है। इसके अलावा आईआईएफएल फाईनेंस विजेताओं को बंपर पुरस्कार भी प्रदान करेगा, जिसमें सोने के सिक्के शामिल हैं। आईआईएफएल फाईनेंस लोन एस्सेट के मामले में भारत की दूसरी सबसे बड़ी गोल्ड लोन कंपनी है। आईआईएफएल फाईनेंस से लोन लेने वाले 85 लाख ग्राहकों में 25 प्रतिशत से ज्यादा ग्राहक महिलाएं हैं, और उनकी संख्या बढ़ती जा रही है क्योंकि बढ़ती अर्थव्यवस्था में और ज्यादा महिलाएं उद्यमिता का मार्ग अपना रही हैं। गोल्ड भारत में हर महिला का अभिन्न हिस्सा होता है, और यह गोल्ड लोन फाईनेंस की मदद से उद्यमिता का सपना पूरा करने में काफी कारगर साबित हुआ है। यह अभियान 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के आस-पास की अवधि में चलाया जा रहा है। आईआईएफएल फाईनेंस में हेड, गोल्ड लोन बिज़नेस, श्री सौरभ कुमार ने कहा, ''महिला उद्यमियों को सक्षम बनाने के लिए आईआईएफएल फाईनेंस में हमने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारत का पहला गोल्ड लोन मेला लॉन्च किया है, जो महिला ग्राहकों के लिए समर्पित है। हम भारत में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हैं कि वो अपनी नजदीकी आईआईएफएल फाईनेंस शाखा में आएं, और कम ब्याज दर एवं निश्चित उपहार के साथ गोल्ड लोन प्राप्त करें।'' आईआईएफएल फाईनेंस की भारत में 4,600 शाखाएं हैं। यह कंपनी के ब्रांड एवं व्यवसायिक सिद्धांत, 'सीधी बात' के साथ पारदर्शी व्यवहार के लिए मशहूर है। आईआईएफएल फाईनेंस पूरे साल गोल्ड लोन मेला लगाता है, और अपने मौजूदा एवं नए ग्राहकों तक पहुँचकर उन्हें आकर्षक ब्याज दरों पर गोल्ड लोन प्रदान करता है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर यूनिक पंजीकृत निवेशकों की संख्या 9 करोड़ (90 मिलियन) के पार पहुंची, कुल खाते 16.9 करोड़ (169 मिलियन) के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया पर यूनिक पंजीकृत निवेशकों की संख्या 29 फरवरी, 2024 को 9 करोड़ (90 मिलियन) के पार पहुंच गई। एक्सचेंज के साथ पंजीकृत ग्राहक कोड की कुल संख्या 16.9 करोड़ (169 मिलियन) है (इसमें आज तक किए गए सभी ग्राहक पंजीकरण शामिल हैं; ग्राहक एक से अधिक ट्रेडिंग सदस्यों के साथ पंजीकरण कर सकते हैं)। हाल के कुछ वर्षों में एनएसई में निवेशक पंजीकरण में तेजी के बाद यह आंकड़ा पार हुआ है। 6 से 7 करोड़ (60 से 70 मिलियन) निवेशकों तक पहुंचने में लगभग नौ महीने लगे, अगले करोड़ (10 मिलियन) निवेशक आठ महीनों में आए, और 8 से 9 करोड़ (80 से 90 मिलियन) तक पहुंचने में केवल पांच महीने लगे। इस अवधि के दौरान, दैनिक नए पंजीकरण अक्टूबर 2023 औसत 47,000 से लेकर इस वर्ष जनवरी में 78,000 के बीच रहे हैं। डिजिटलीकरण में तेजी से वृद्धि, बढ़ती निवेशक जागरूकता, वित्तीय समावेशन और मजबूत बाजार प्रदर्शन के कारण पिछले पांच वर्षों में निवेशक आधार में 3 गुना से अधिक की वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2024 की शुरुआत से 29 फरवरी, 2024 तक, निफ्टी 50 ने 27 प्रतिशत रिटर्न के साथ वापसी की, जबकि निफ्टी 500 ने इसी अवधि में 38 प्रतिशत रिटर्न दिया। फरवरी 2024 को समाप्त होने वाली पिछली पांच साल की अवधि में निफ्टी 50 और निफ्टी 500 के लिए वार्षिक रिटर्न क्रमश: 15.3 फीसदी और 17.5 फीसदी रहा। अक्टूबर 2023 से बाजार में प्रवेश करने वाले नए निवेशकों में से लगभग 42 फीसदी उत्तर भारत से थे, इसके बाद पश्चिम भारत (28 फीसदी), दक्षिण भारत (17 फीसदी) और पूर्वी भारत (13 फीसदी) का नंबर आता है। इस अवधि के दौरान नए निवेशकों की सबसे बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र ने विशेष योगदान दिया, कुल मिलाकर सभी नए निवेशकों में से एक चौथाई से अधिक का योगदान इन राज्यों ने दिया।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, सोमवार 04 मार्च 2024

सशक्त जशपुर के अंतर्गत मुख्यमंत्री साय ने सामग्री का किया वितरण

रायपुर (विसं)। सशक्त जशपुर के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने गृह ग्राम बगिया में दिवांगजनों को सामग्री का किया वितरण। उन्होंने हितग्राही को दिव्यांग प्रमाण पत्र, बस पास, अन्य सामग्रियों का वितरण किया। सशक्त जशपुर अभियान का उद्देश्य जशपुर जिला को सभी क्षेत्रो में सशक्त करना है, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पर्यटन, सड़क, बिजली, पेयजल आदि को योजनाबद्ध तरीके से लक्ष्य की प्राप्ति कर सुविधाओं को उपलब्ध कराना है कार्यक्षेत्र सर्व विकासखंड जिला जशपुर होगा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजिम कुंभ में होंगे शामिल, जानकी जंयती पर दूसरा पर्व स्नान और शोभायात्रा

पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा शिव महापुराण कथा सहित अनेक कार्यक्रम का होगा आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राजिम कुंभ कल्प मेला में 4 मार्च जानकी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का शिव महापुराण कथा सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री अरूण साव करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि मंत्री राम विचार नेताम, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, वाणिज्य और उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सहित अनेक साधु-संत, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। राजिम कुंभ कल्प में जानकी जयंती के पावन पर्व पर सोमवार 4 मार्च को दूसरा पर्व स्नान किया जाएगा। जानकी जयंती का पर्व पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। श्रद्धालुगण त्रिवेणी संगम स्थित कुंड में स्नान कर पुण्य लाभ के भागीदार बनेंगे। इस अवसर पर माता जानकी की विशाल शोभा यात्रा पूरे धार्मिक आयोजनों के साथ निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल होंगे।

आरआईटी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, डूमर तालाब में इंटर कॉलेज क्विज प्रतियोगिता आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। आरआईटी (RITEE) कॉलेज ऑफ़ मैनेजमेंट, डूमर तालाब में शनिवार 02/03/2024 को श्रीमती ललिता जैन जी की स्मृति में इंटर कॉलेज क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे 18 विभिन्न महाविद्यालयों के 210 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के क्विज मास्टर आईएएस ऑफिसर सुब्रत साहू सर रहे। जिन्होंने केबीसी की तर्ज पर बहुत ही मनोरंजक तरीके से क्विज प्रतियोगिता सम्पन्न कराई।

प्रतियोगिता दो राउंड में सम्पन्न हुई। पहले राउंड में 25 प्रश्न थे जिनके 4 ऑप्शन थे। सभी प्रश्न सामान्य ज्ञान एवम अभिक्षमता से संबंधित थे। इनमे कोई नेगेटिव मार्किंग नही थी। पहले राउंड में 06 टीम के 12 प्रतिभागी चुने गए। जिनके साथ प्रतियोगिता का फाइनल राउंड प्रारंभ हुआ। जिसमे स्पोर्ट्स, फिल्म, मीडिया, इतिहास, विज्ञान, शिक्षा सभी से संबंधित प्रश्न पूछे गए। बीच बीच में ऑडियंस से भी मजेदार प्रश्न पूछे गए। जिसमें ऑडियंस की सक्रिय भागीदारी रही। प्रथम पुरुस्कार 203 अंकों के साथ संत थॉमस महाविद्यालय के छात्र भूमिका राठौड़ और नमन को मिला, जिनको ट्रॉफी एवम 21000 रुपए की नगद राशि प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 2 नवीन पुलिस चौकियां कोल्हेनझरिया और उपरकछार का किया शुभारंभ

जशपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ने जशपुर जिले में 02 नवीन पुलिस चौकियां कोल्हेनझरिया एवं उपरकछार का शुभारंभ किया। गौरतलब है कि रविवार 03 मार्च को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा अपने निवास ग्राम-बगिया से जशपुर जिले के उड़ीसा बार्डर से लगे थाना-तपकरा अंतर्गत नवीन पुलिस चौकी -उपरकछार व थाना-तुमला अंतर्गत नवीन पुलिस चौकी-कोल्हेनझरिया का शुभारंभ किया साथ ही दोनों नवीन पुलिस चौकियों के प्रथम रोजनामचा में लेख कर नवीन पुलिस चौकियों के प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारियों को बेहतर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया।

उड़ीसा बार्डर से सटे 02 नवीन पुलिस चौकियों के शुभारंभ से उक्त क्षेत्र में अपराध पर आसानी से अंकुश लगाया जा सकता है साथ ही अवैध मादक पदार्थ परिवहन व अन्य आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाई जा सकती है जिससे कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे।

जशपुर जिले में 02 नवीन पुलिस चौकी के शुभारंभ होने से जशपुर पुलिस एवं उक्त क्षेत्र की आम जनता से कम्यूनिटी पुलिसिंग में बढ़ावा मिलेगा।

थाना-तपकरा अंतर्गत नवीन पुलिस चौकी-उपरकछार में सहायक उप निरीक्षक रामनाथ राम को चौकी प्रभारी एवं थाना-तुमला अंतर्गत नवीन पुलिस चैकी-कोल्हेनझरिया में सहायक उप निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी को चौकी प्रभारी बनाया गया है इनके सहायतार्थ अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों को पदस्थ किया गया है।

नवीन पुलिस चौकी शुभारंभ के अवसर पर अंकित गर्ग पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज सरगुजा, शशि मोहन सिंह पुलिस अधीक्षक जिला-जशपुर, सीईओ जिला पंचायत जशपुर अभिषेक कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जशपुर, उमेष कुमार कश्यप गणमान्य नागरिक एवं पुलिस अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज भिलाई में 209 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 4 मार्च को भिलाई में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकांनद तकनीकी विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भवन के आर्यभट्ट भवन सहित 209 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे। इन कार्यों में दुर्ग संभाग में 175 करोड़ 90 लाख रूपए की लागत से नव निर्मित 43 कार्यों का लोकार्पण और 9 करोड़ 39 लाख रूपए के 9 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

सीएसवीटीयू परिसर में आर्यभट्ट भवन लगभग 10 करोड़ 36 लाख रूपए की लागत शैक्षणिक भवन तैयार किया गया है। इस भवन में विभिन्न पाठ्यक्रम डिप्लोमा, बी टेक (ऑनर्स), एम् टेक एवं पी एच डी की कक्षाएं संचालित होंगी एवं छात्रों के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेतु अंतर्राष्ट्रीय कंपनी 'न्यूक्लियस टेक' का ऑफिस संचालित होगा। नवीन युवा उद्यमियों को इन्क्यूबेशन सेंटर एवं वित्तीय सहायता के लिए इस भवन में सीएसवीटीयू-फोर्टे का संचालन होगा। इसके अलावा यहां बिजनेस मॉडल और प्रौद्योगिकी वाले कुछ स्टार्ट-अप को आरईसी, नई दिल्ली के सी एस आर से सीएसवीटीयू भिलाई में शुरू किया जाएगा।

भारतीय जीवन बीमा निगम रायपुर के पंडरी स्थित मंडल कार्यालय के आधुनिकीकृत भवन का विधिवत उद्घाटन

निगम के अध्यक्ष सिद्धार्थ महान्ति द्वारा किया गया उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। एलआईसी के अध्यक्ष महोदय ने अपने रायपुर आगमन के अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए एलआईसी द्वारा बीमाधारकों के हितों में किए जा रहे नए डिजिटल कार्यों के विषय में बताया। श्री सिद्धार्थ महांति ने बताया कि विगत 6 माह में बीमाधारकों की आवश्यकता के अनुरूप गारंटीड रिटर्न वाली योजना जैसे जीवन उत्सव, अमृत बाल को लाया गया है। इसी तरह शेयर बाजार के माध्यम से अधिक रिटर्न प्राप्त करने के लिए निफ्टी 50 और निफ्टी 100 में निवेश की यूलिप योजना इंडेक्स प्लस भी निगम के द्वारा लाई गई है। इसी के साथ निगम के द्वारा जीवन अक्षय, जीवन शांति जैसी पेंशन योजनाओं की एनियुटी दरों में वृद्धि भी की है। अध्यक्ष महोदय ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी वर्ग के निगमकर्मियों से आह्वान किया कि वर्तमान समय में सभी को ग्राहकों के अनुरूप मार्केटिंग का कार्य करना चाहिए। इस मौके पर भारतीय जीवन बीमा निगम के अध्यक्ष महोदय के साथ मध्य क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल से आये क्षेत्रीय प्रबंधक श्री बाघराय माझी केंद्रीय कार्यालय के कार्यकारी निदेशक (अभियांत्रिकी) श्री बी बी जाधव और रायपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक श्री अशोक ठाकुर ने भी संबोधित किया। उद्घाटन समारोह का सफलतापूर्वक संचालन रायपुर मंडल के विपणन प्रबंधक श्री शशांक सालोडकर द्वारा किया गया।

योग में शोध को और अधिक प्रोत्साहित करने पर जोर

एम्स में एक दिवसीय कार्यशाला में एलोपैथी के साथ योग के महत्व को रेखांकित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। योग पर और अधिक शोध और इसे एलोपैथी के साथ जोड़कर अनुसंधान की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने योग को भारतीय जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए इसके लाभ को शोध के माध्यम से प्रमाणित करने का आह्वान किया।

एम्स के आयुष विभाग और सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित %मिक्सड मैथ्ड्स रिसर्च इन योगा% विषयक कार्यशाला का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (रिटा.) ने किया। उन्होंने कहा कि योग जीवनशैली के विभिन्न रोगों उच्च रक्तचाप, तनाव, अनिंद्रा आदि के उपचार और इनसे बचने में काफी हितकारी है। संयुक्त चिकित्सा पद्धती में योग और नेचुरोपैथी को एलोपैथी के साथ पूरक उपचार के रूप में प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने इस क्षेत्र में प्रमाणिक शोध और अनुसंधान की आवश्यकता बताई।

मुख्य अतिथि सीसीआरवाईएन के निदेशक डॉ. राघवेंद्र राव ने योग के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता डॉ. अमोल डोंगरे, एम्स, नागपुर और डॉ. विकास केसरी, कार्यकारी निदेशक, राज्य स्वास्थ्य संसाधन केंद्र, छत्तीसगढ़ शासन ने भी योग में शोध के बढ़ते महत्व के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की। राष्ट्रीय कार्यशाला में 300 से अधिक शोधार्थी भाग ले रहे हैं।

इस अवसर पर अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. आलोक चंद्र अग्रवाल और आयुष के चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।

कुंडा में विधायक भावना बोहरा ने जन-भावना मुलाकात में क्षेत्रवासियों की समस्या के तत्काल निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

समस्याओं के निराकरण के साथ ही जनता के सुझाव भी हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं, तभी होगा क्षेत्र का विकास : भावना बोहरा

पंडरिया (विश्व परिवार)। पंडरिया विधानसभा के विकास और जनता की समस्याओं के लिए निरंतर कार्य करते हुए विधायक भावना बोहरा ने आज ग्राम कुंडा में जन-भावना मुलाकात कार्यक्रम के तहत जनता से रूबरू हुईं। विधानसभा सदन हो या विधानसभा क्षेत्र, भावना बोहरा द्वारा जनहित के लिए लगातार प्रयास किये जा रहें हैं जिससे क्षेत्र की जनता को भी लाभ मिल रहा है। इसी कड़ी में भावना बोहरा ने कुंडा मंडल में जन-भावना मुलाकात के माध्यम से क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुना और वहां उपस्थित समस्त शासकीय विभागों के अधिकारियों को उनके तत्काल निराकरण के लिए निर्देश दिए।

भावना बोहरा ने कहा कि आज कुंडा क्षेत्र में जनता की समस्याओं से अवगत होने व उसके निराकरण के लिए हमने जन भावना मुलाकात कार्यक्रम के जरिए एक प्रयास किया है कि क्षेत्रवासियों को उनके गाँव के समीप ही सुविधा मिल सके। आज यहां बहुत से क्षेत्रवासी अपनी समस्या, क्षेत्र में व्यापत विभिन्न आवश्यकताओं को लेकर पहुंचे हैं इसमें कुछ ऐसी समस्याएं जिनका यथास्थल पर तत्काल निराकरण किया गया है और बाकि मांगों, सुझावों व समस्याओं के लिए यहां उपस्थित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के लिए निर्देश भी दिए हैं। एक जनप्रतिनिधि का यह दायित्व होता है कि वह अपने क्षेत्र, वहां की जनता के विश्वास पर खरा उतरे, उनसे मिलकर उनकी समस्याओं का निराकरण करें, क्षेत्र का विकास करे। इसलिए हमने यह प्रयास किया है और प्रतिमाह ऐसे प्रयास हम करते रहेंगे, जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनने व उसके निवारण के लिए हम कार्य करते रहेंगे। जनसंपर्क के दौरान क्षेत्र की जनता से मुलकात में बहुत सी मूलभूत व आवश्यक सुविधाओं के आभाव होने की सूचना थी। पूर्व की कांग्रेस सरकार एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि की उदासीनता के कारण उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं होपाता था और क्षेत्र का विकास भी पूरी तरह ठप्प था। लेकिन अब छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में सुशासन का सूर्योदय हुआ। इससे जनता में भी एक नया विश्वास आया है और उनके इस विश्वास को पूरा करना हमारा प्रथम कर्तव्य है। क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े हर विषय को लेकर हम संवेदनशील हैं और उसका समाधान करना ही हमारा उद्देश है।

टैक्स चोरी करने वालों पर लगातार जारी है कड़ी कार्रवाई : चौधरी

एक सप्ताह में जीएसटी विभाग ने कार्रवाई कर 8 करोड़ रुपए का टैक्स कराया जमा

दुर्ग में संचालित अवैध गुटखा फैक्ट्री में जीएसटी विभाग की दबिश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि टैक्स चोरी करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और टैक्स चोरी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसी कड़ी में वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर टैक्स चोरी करने वालों पर निरंतर कार्रवाई जारी है। जीएसटी विभाग के आईटी टूल्स द्वारा ई वे बिल जांच दल द्वारा निरंतर इसकी ट्रैकिंग की जा रही है। स्टेट जीएसटी की टीम कर चोरी पर निरंतर नजर रखे हुए है और लगातार इस संबंध में कार्रवाई हो रही है। इसका अच्छा परिणाम सामने आ रहा है। केवल एक सप्ताह के भीतर ही जीएसटी विभाग ने कार्रवाई कर 8 करोड़ रुपए टैक्स जमा कराये हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य जीएसटी के ई वे बिल जांच दल ने 1 मार्च को संदिग्ध वाहन चालक ने जीएसटी जांच दल को चकमा देने की पूरी कोशिश की और पहचान छिपाने के लिए पैकिंग मटेरियल को जला दिया, जांच दल के सदस्य फिर भी चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध वाहन का पीछा कर चंद्रखुरी में संचालित अघोषित गुटखा फैक्ट्री में कार्रवाई की। इससे पहले गुटखा फैक्ट्री तक पंहुच ही गए। अवैध गुटका फैक्ट्री मे बड़ी मात्रा में प्रतिष्ठित ब्रांड गुटखा कंपनियों के रैपर तथा गुटखे का कच्चा माल, सुपारी तंबाखू आदि बरामद गया है। फैक्ट्री में अवैध गुटका बनाने में इस्तेमाल की जा रही मिक्सर मशीन भी मिली है। यह फैक्ट्री कोमल फूड्स के नाम से संचालित थी। जीएसटी विभाग के अनुसार इसी व्यवसायी के राजनांदगाँव स्थित फैक्ट्री को भी जांच के दायरे मे लिया गया है। यहाँ भी गुटखा निर्माण करने के साक्ष्य मिले हैं।

गौरतलब है की वित्त एवं जीएसटी मंत्री श्री ओपी चौधरी ने मोदी की गारंटी के अंतर्गत विकसित छत्तीसगढ़ बनाने और अगले पांच वर्षों में राज्य की जीडीपी को 10 लाख करोड़ रुपए पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज पहले ये बताएं अपने प्रत्याशी कब घोषित कर रहे : जगदीश रामू रोहरा

भाजपा का एक एक कार्यकर्ता देश सेवा के लिए समर्पित हैं, सत्ता और पद का लोभी नहीं

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री जगदीश रामू रोहरा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा ने तो कल ही छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी हैं अब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज पहले ये बताएं कि कांग्रेस अपने उम्मीदवारों की घोषणा कब करेगी? या पहले ही हार मान चुकी कांग्रेस भाजपा के सामने लड़ने से पहले ही अपने हथियार डाल देगी?

भाजपा प्रदेश महामंत्री जगदीश रामू रोहरा ने कहा कि हार की हताशा और बौखलाहट कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान से ही झलक रही हैं। सच तो यह है कि कांग्रेस को लोकसभा चुनाव लड़ने प्रत्याशी ही नहीं मिल रहे हैं सभी हार के डर से मैदान में उतरने से पहले ही भाग रहे हैं सारे बड़े नेताओं ने लोकसभा चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है क्योंकि वो जानते हैं कि छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश से कांग्रेस पार्टी का सुपड़ा साफ होने वाला है तभी तो कांग्रेस के बड़े और कद्दावर नेता पार्टी छोड़ चुके हैं और बचे कुचे भी छोड़ने को आतुर हैं। कांग्रेस के इंडी एलायंस (घमंडिया) भी डूबता जहाज बन चुका हैं इनका एक एक सहयोगी धीरे-धीरे कांग्रेस के डूबते जहाज़ को बीच मझधार में छोड़कर भाग रहे हैं। कहीं ऐसा न हो की लोकसभा चुनाव आते तक कांग्रेस पार्टी अकेली ना रह जाए? कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को यूपीए के 10 साल के शासन काल को याद करना चाहिए उस समय देश की क्या स्थिति थी? सारे फैसले 10 जनपथ से ही लिए जाते थे प्रधानमंत्री तो नाममात्र के ही थे। केवल एक ही परिवार के इर्द गिर्द पूरी कांग्रेस पार्टी परिक्रमा करती रहती थी और आगे भी करती रहेगी? आज देश की बागडोर जब से भारतीय जनता पार्टी के हाथों में आई है और प्रधानसेवक नरेंद्र मोदी जी बने हैं देश का स्वर्णिम काल शुरू हो गया है ये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों का ही प्रभाव हैं की भारत आज विश्व गुरु बनने की कगार पर हैं आज भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला हैं और बहुत जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र ही देश सेवा हैं राजनीति जनमानस के हितों के लिए ही की जाती हैं। सत्ता सुख भोगना कांग्रेस पार्टी का ही काम रहा हैं भाजपा के लिए राष्ट्र सेवा ही सर्वोपरि है भाजपा का हर एक कार्यकर्ता इसी मूलमंत्र का पालन करता है पार्टी द्वारा दिया गया आदेश को अपना धर्म मानता हैं। भाजपा में कोई नेता बनकर काम नहीं करता यहां सभी कार्यकर्ता बनकर काम करते हैं। निश्चित तौर पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार तिसरी बार देश में बनने जा रही हैं देश की जनता का आशीर्वाद प्राप्त होगा और देश की जनता ही नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने आतुर हैं। अबकी बार 400 पार के लिए पार्टी का हर कार्यकर्ता कृत संकल्पित हैं रही बात कांग्रेस की तो वो कहीं दहाई तक के आंकड़े को छू भी ना पाए इसमें भी संशय है।

सिपेट द्वारा रायगढ़ में इंडस्ट्री इंटरेक्शन मीट का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), आईएसओ 9001:2015 क्यूएमएस, एनएबीएल, बीआईएस, एनएबीसीबी से मान्यता प्राप्त, रसायन और पेट्रोकेमिकल्स विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत तकनीकी प्रशिक्षण राष्ट्रीय संस्थान है। संस्थान देश में प्लास्टिक और संबद्ध उद्योगों के विकास के लिए कौशल विकास, प्रौद्योगिकी सहायता, शैक्षणिक और अनुसंधान (स्टार) गतिविधियों के लिए समर्पित है।

सिपेट, कोरबा के द्वारा उद्योगों के साथ संबंध बनाए रखने और तकनीकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 28 फरवरी 2024 को रायगढ़ में औद्योगिक बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रायगढ़ के स्थानीय और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 35 प्रतिनिधियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया तथा अपने औद्योगिक जीवन कार्यशैली का अनुभव साझा किया। बैठक का मुख्य एजेंडा उद्योगो के प्रतिनिधियों के साथ वार्तालाप एवं उनकी तकनीकी कौशल आवश्यकताओं को समझना और उनकी जरूरतों को पूर्ण करने के लिए सिपेट किस प्रकार अधिक सहायक हो सकता है, इसका मूल्यांकन करना है।

कार्यक्रम के दौरान श्री प्रसाद आउटी, वरिष्ठ प्रबंधक, फिलिप्स मशीन टूल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, , मुंबई के द्वारा इंडस्ट्री 4.0 फयूचर आफ मैन्युफेक्चरिंग एवं श्री साहूल चिवंडे, जियोमेट्रिक टैक्नोलॉजी, नागपुर के द्वारा 3डी स्कैनिग एंड रिवर्स इंजीनियरिंग विषय पर प्रस्तुति दी गई।

सिपेट, कोरबा के श्री राजीव कुमार लिल्हारे, प्रबंधक (तकनीकी) द्वारा मुख्य अतिथि श्री संजीव सुखदेव, मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, रायगढ़ एवं विशिष्ट अतिथि श्री कमल अग्रवाल, अध्यक्ष, रायगढ़ इस्पात पावर प्राइवेट लिमिटेड को स्वागत स्वरूप पौधा भेंट कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री राजीव कुमार लिल्हारे, प्रबंधक (तकनीकी) ने सिपेट द्वारा आयोजित उद्योग इंटरेक्शन मीट के महत्व को विस्तार से बताया, इससे हितधारकों को सार्थक चर्चा में शामिल होने और सहयोग के रास्ते तलाशने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया। हम ऐसी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा दें और पॉलिमर उद्योग के विकास में योगदान दें। इसी तारतम्य मे श्री संजीव सुखदेव जी के द्वारा रायगढ़ जिले के स्टील उद्योग के उद्यमीगणो को आव्हान किया कि पॉलीमर के क्षेत्र में भी उद्योग स्थापित करने के लिए सार्थक कदम उठाना चाहिए। साथ ही साथ सिपेट, कोरबा में उपलब्ध प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग व टूल रूम की सुविधाओं का लाभ उठाने का परामर्श दिया। श्री कमल अग्रवाल जी ने सिपेट की शैक्षणिक व तकनीकी गतिविधियों की प्रशंसा की तथा सिपेट के अधिकारियों को उक्त गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक कदम उठाने का सलाह दिए।

उक्त कार्यक्रम में सिपेट, कोरबा से डॉ दिवेश बी मेश्राम, तकनीकी अधिकारी, श्री अक्षय खटोड़, सहायक तकनीकी अधिकारी, श्री जगमोहन बेहरा, श्री वरूण कुमार गुप्ता, श्री संजय कुमार बधुक, श्री मुकेश साहू एवं गणमान्य औद्योगिक संस्थान प्रमुख उपस्थित रहें।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354